आज का विचार
इंसान के जीवन में एक वक्त ऐसा भी आता है जब उसे अपने वफादार होने का पछतावा होता है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 13 अप्रैल, 2026 वर्ष 24, अंक 88, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के प्रयास रंग लाए, केंद्र सरकार की ओर से कंटीली तार को अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक लगाने का आदेश, लाखों किसानों को होगा लाभ

यज्ञांश शर्मा
तलवंडी साबो

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप केंद्र सरकार ने सीमावर्ती कंटीली तार को अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया है। इस फैसले से उन किसानों को बड़ी राहत मिलेगी, जो लंबे समय से सीमा सुरक्षा बल की सख्त पाबंदियों के तहत खेती करने को मजबूर थे।

सीमावर्ती जिलों में सर्वेक्षण के आदेश दिए गए हैं। इस कदम से लाखों एकड़ भूमि तार के अंदर आ जाएगी, जिससे किसानों को अधिक पहुंच, अपनी पसंद की फसल चुनने की स्वतंत्रता और सीमित समय व बार-बार होने वाली सुरक्षा जांच से राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमने यह मुद्दा कई बार केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष उठाया कि सीमा के पास रहने वाले किसानों के लिए पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ बाड़ भारतीय क्षेत्र में तीन से चार किलोमीटर अंदर लगाई गई है, जिसके कारण उनके खेत बाड़ के पार रह जाते हैं।

किसानों को आने वाली कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, किसानों को बीएसएफ द्वारा निर्धारित समय के दौरान ही बाड़ पार कर खेती करने की अनुमति दी जाती है। वे सुबह 9 बजे से पहले नहीं जा सकते। उनकी तलाशी ली जाती है और उनके साथ सुरक्षा बल तैनात रहते हैं ताकि कोई तस्करी या अवैध सामग्री वापस न लाई जा सके। शाम 4 बजे के बाद उन्हें खेतों में रहने की अनुमति

नहीं होती और लौटते समय फिर से उनकी जांच होती है। इस प्रक्रिया में सुरक्षा बलों का काफी समय अपने ही नागरिकों की जांच में व्यतीत हो जाता है।

- अंतरराष्ट्रीय सीमा से 300 मीटर की दूरी पर बाड़ लगाने से किसानों को सीमा सुरक्षा बल की जांच से राहत मिलेगी: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- लाखों एकड़ जमीन तार के अंदर आ जाएगी, किसान अपनी पसंद की फसलें उगा सकेंगे: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- वर्तमान में किसानों को बीएसएफ की निगरानी में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक ही बाड़ के पार खेती करने की अनुमति है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- केंद्र ने सीमावर्ती जिलों के डीसीज को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बाड़ लगाने के निर्देश जारी किए: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

उन्होंने आगे कहा, हमने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया था और केंद्रीय गृह मंत्री ने आश्वासन दिया था कि इसका जल्द समाधान किया जाएगा। किसानों को लंबे समय से अपने खेतों तक पहुंचने के लिए पहचान पत्रों और बीएसएफ की निगरानी में बाड़ पार करनी पड़ रही है, जिससे उन्हें 532 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा पर रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आगे जानकारी दी कि अब पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन, फाजिल्का और फिरोजपुर सहित सीमावर्ती जिलों के डिप्टी कमिश्नरों को सर्वेक्षण करने और यह आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं कि नियमों के अनुसार बाड़ को अंतरराष्ट्रीय सीमा के कितने नजदीक लाया जा सकता है। एसडीएम को भी सर्वेक्षण के लिए कहा गया है, ताकि 300 मीटर क्षेत्र की स्पष्ट पहचान कर इस निर्णय को समयबद्ध तरीके से लागू किया जा सके।

नहीं रही सुरों की मल्लिका आशा भोसले, देशभर में शोक की लहर

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

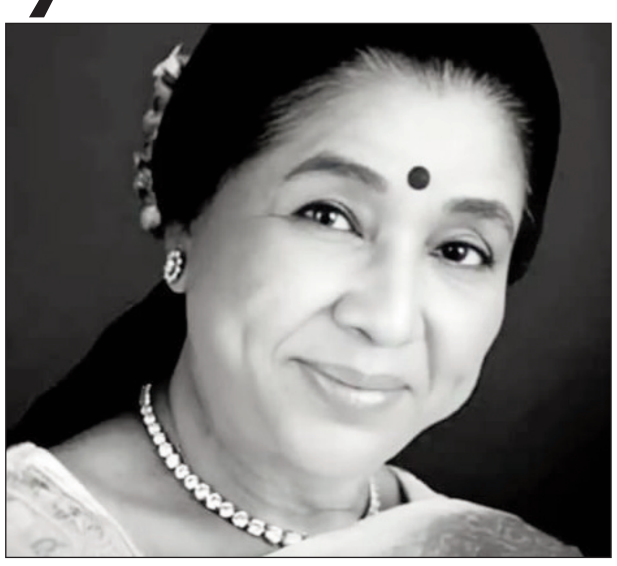

भारतीय संगीत जगत की दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। रविवार को उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। शनिवार को तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज यूनिट में उनका इलाज चल रहा था। दुनियाभर के फैंस आशा भोसले की सलामती की दुआ कर रहे थे, लेकिन सुरों की यह महान आवाज आज खामोश हो गई। इसकी पुष्टि उनके बेटे आनंद भोसले ने की। गायिका को अत्यधिक थकान और सीने में संक्रमण की शिकायत के चलते ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने पहले ही सोशल मीडिया के जरिए उनके स्वास्थ्य की जानकारी दी थी और लोगों से निजता बनाए रखने की अपील की थी। जैसे ही उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आई, फैंस बड़ी संख्या में अस्पताल और उनके घर के बाहर जुटने लगे थे। सभी को उम्मीद थी कि आशा भोसले जल्द स्वस्थ होकर लौटेंगी, लेकिन उनकी यह उम्मीद टूट गई। परिवार के अनुसार आशा भोसले का अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। उनका पार्थिव शरीर सुबह 11 बजे लोअर परेल स्थित उनके आवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा, जिसके बाद शाम 4 बजे मुंबई के दादर स्थित शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार होगा। इसी स्थान पर उनकी बहन और स्वर कोकिला लता मंगेशकर का भी अंतिम संस्कार किया गया था।

8 सितंबर 1933 को जन्मीं आशा भोसले ने सात दशकों से अधिक लंबे करियर में हजारों गीतों को अपनी आवाज दी और भारतीय सिनेमा को अपना अमूल्य योगदान दिया। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर स्वयं एक प्रतिष्ठित गायक और अभिनेता थे। आशा ने बेहद कम उम्र में संगीत की दुनिया में कदम रखा था और मराठी फिल्म माझा बाल से अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद हिंदी सिनेमा में सावन आया जैसे गीतों से उन्होंने पहचान बनाई और देखते ही देखते वह संगीत की दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में शुमार हो गईं। उनके निधन से भारतीय संगीत जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने आशा भोसले के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई नेताओं ने रविवार को दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक जताया। राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा, आशा भोसले के निधन से संगीत जगत में एक गहरा शून्य उत्पन्न हो गया है। एक प्रतिष्ठित गायिका के रूप में उनके शानदार करियर ने भारत में संगीत के एक युग को परिभाषित किया है। मुझे उनसे व्यक्तिगत रूप से हुई मुलाकातों की सुखद यादें हैं। अपनी मधुर और सदाबहार आवाज से उन्होंने दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया। उनका संगीत अमर रहेगा। उनका निधन संगीत प्रेमियों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। पराष्ट्रपति ने कहा कि आशा भोसले की बेमिसाल आवाज और संगीत की विरासत लाखों लोगों के दिलों में गूंजती रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आशा भोसले ने हिंदी, मराठी के साथ कई भाषाओं में गायन कर भारतीय गीत-संगीत और सिनेमा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित किया। उनका देहावसान भारतीय कला-संगीत जगत के लिए गहरी क्षति है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आशा भोसले के निधन से अत्यंत दुखी हूं। दशकों तक फैले उनके असाधारण संगीतमय सफर ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। उनके साथ बिताए पलों को मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आशा भोसले ने न सिर्फ अपनी मधुर आवाज और अद्वितीय प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाई बल्कि अपने सुरों से भारतीय संगीत को भी और अधिक समृद्ध किया। हर तरह के संगीत में ढल जाने की उनकी अनोखी प्रतिभा हर व्यक्ति का दिल जीत लेती थी। अपनी आवाज से करोड़ों दिलों को छूने वालीं आशा जी ने हिंदी, मराठी, बांग्ला, तमिल, गुजराती सहित अनेक भाषाओं के साथ-साथ लोकगीतों में भी अमिट छाप छोड़ी। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवम राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारतीय संगीत जगत की अजरामर आवाज आशा भोसले जी को भावभीनी श्रद्धांजलि! कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आशा भोसले के निधन से पार्श्व गायन के एक युग का अंत हो गया। बहुमुखी प्रतिभा और गरिमा की प्रतीक, उनकी अनूठी गायन शैली को दुनिया भर में लाखों लोगों ने सराहा। पद्म विभूषण से सम्मानित, वह आज भी सबसे अधिक गाने वाली कलाकारों में से एक हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी ने कहा कि आवाज के माध्यम से आशा भोसले की कला सदा हमारे बीच अमर रहेगी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके शोकाकुल प्रियजनों और प्रशंसकों के साथ है।

तृणमूल का जाना तय, बंगाल में बदलाव की लहर : नरेंद्र मोदी

एजेंसी (हि.स.)
सिलीगुड़ी

- सिलीगुड़ी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से किया बदलाव का आह्वान

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर बंगाल के प्रमुख शहर सिलीगुड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोला और राज्य में बदलाव का आह्वान किया।

रविवार दोपहर कावाखाली मैदान में आयोजित इस रैली में भारी भीड़ जुटी। सभा स्थल पर पहुंचते ही प्रधानमंत्री ने लोगों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इतनी बड़ी भीड़ उन्होंने बहुत कम जगहों पर देखी है। उन्होंने दावा किया कि यह जनसमर्थन स्पष्ट संकेत है कि पश्चिम बंगाल में अब सत्ता परिवर्तन तय है। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस का शासन अब समाप्त होने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में राज्य ने केवल भ्रष्टाचार और ठहराव देखा है। खासकर युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब राज्य का भविष्य उनके हाथ में है और उन्हें बदलाव के लिए आगे आना चाहिए।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तृणमूल ने विकास के बजाय सिंडिकेट और कटमनी संस्कृति को बढ़ावा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार गहराई तक फैला हुआ है और आम जनता इससे परेशान है।

प्रधानमंत्री ने उत्तर बंगाल को भारतीय जनता पार्टी का मजबूत गढ़ बताते हुए क्षेत्र के विकास और रोजगार के लिए कई वादे किए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर यहां की सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर टुकड़े-टुकड़े गैंग से संबंध रखने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को नुकसान पहुंचाने और उत्तर-पूर्व भारत को देश से अलग करने की साजिश रची थी और तृणमूल ने उन्हें समर्थन दिया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर देश की सुरक्षा और समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसकी रक्षा व विकास भाजपा की प्राथमिकता है। उन्होंने तृणमूल सरकार की नीति को उपेक्षा और डर की राजनीति करार देते हुए कहा कि अब जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी। आगामी चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि 4 मई के बाद नई सरकार बनेगी और राज्य में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, अब डर नहीं, भरोसा चाहिए झ्र यही भाजपा का मंत्र है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को जवाब देना होगा। कड़ी धूप के बावजूद रैली में भारी भीड़ उमड़ी, जिसे भाजपा अपनी जीत का संकेत मान रही है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने शनिवार को पूर्व बर्धमान, मुर्शिदाबाद और दक्षिण दिनाजपुर में भी जनसभाएं की थीं।

तुष्टीकरण नहीं, विकास और सुरक्षा चाहिए, पश्चिम बंगाल में परिवर्तन तय : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी (हि.स.)
बांकुड़ा/पूर्व मेदिनीपुर

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक माहौल गरमाता जा रहा है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य के बांकुड़ा और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में जनसभाओं को संबोधित करते हुए जनता से सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने सोनामुखी और नंदकुमार विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित रैलियों में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों, सोनामुखी से दिवाकर घरामी और नंदकुमार से निर्मल खांड़ा के समर्थन में प्रचार किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता अब विकास, सुरक्षा और सुशासन के लिए बदलाव चाहती है।

अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य की जनता तुष्टीकरण की राजनीति को नकार चुकी है और अब विश्वास, सुरक्षा तथा समग्र विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रवाद की भूमि पश्चिम बंगाल में अब खेला की राजनीति समाप्त होगी और विकास की नई शुरूआत होगी। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके शासनकाल में प्रदेश में अराजकता, भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी को बढ़ावा मिला है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इन समस्याओं का समाधान केवल भाजपा की डबल इंजन सरकार ही कर सकती है। सोनामुखी में जनसमर्थन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की जनता का उत्साह इस बात का संकेत है कि राज्य में कमल खिलने वाला है। उन्होंने कहा कि लोग ऐसी सरकार चाहते हैं, जो आस्था, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दे। उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वहां न कर्फ्यू, न दंगा की स्थिति है और माफिया व अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जहां भी होती है, वहां कानून-व्यवस्था मजबूत होती है और विकास के नए अवसर पैदा होते हैं।

आधुनिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं: सीपी राधाकृष्णन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि आधुनिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। जब विकास और विरासत साथ-साथ चलते हैं तभी राष्ट्र का सर्वांगीण उत्थान संभव होता है। उपराष्ट्रपति ने यह बात नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में विषय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप के माध्यम से आदिवासी जीवन का परिवर्तन - भाषा, आस्था और संस्कृति का संरक्षण विषय पर आयोजित एक सम्मेलन के उद्घाटन पर कही। यह सम्मेलन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा नॉर्थ ईस्ट सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन एंड रीच (एनईसीटीएआर) और आईटीआईटीआई दून संस्कृति स्कूल, देहरादून के सहयोग से आयोजित किया गया। उन्होंने कहा, 2047 तक भारत को विकसित बनाने का मतलब अपनी संस्कृति को भूलना नहीं है। 'विकास भी, विरासत भी' के सिद्धांत का अर्थ है कि हम आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए भी अपनी पुरानी परंपराओं को सुरक्षित रखेंगे, क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे को पूरा करते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब आधुनिक विज्ञान भाषा, आस्था और संस्कृति के साथ सामंजस्य में काम करता है, तो यह संरक्षण और सशक्तिकरण की एक शक्तिशाली शक्ति बन जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों के पास अमूल्य पारंपरिक ज्ञान है जो जैव विविधता और वन संसाधनों के सतत उपयोग में सहायक है। सदियों से इन समुदायों ने भारत की प्राचीन संस्कृति, आस्था और सभ्यतागत विरासत को संरक्षित रखा है। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू, अरुणाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री चौना मीन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. अभय करंदीकर और पूर्व सांसद एवं आईटीआईटीआई दून संस्कृति स्कूल के संस्थापक ट्रस्टी तरूण विजय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लालजी टंडन ने लखनऊ को जिया, समझा और अपने भीतर बसाया : राजनाथ सिंह

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

- नानाजी देशमुख, दीनदयाल उपाध्याय और अटल जी का सानिध्य लालजी टंडन को मिला

भारत सरकार के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स सभागार में पूर्व राज्यपाल स्व.लालजी टण्डन की पुस्तक 'स्मृति नाद' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कई नेता उपस्थित रहे।

पुस्तक के लोकार्पण के अवसर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लालजी टंडन का जीवन हमें यह सिखाता है कि राजनीति केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का संकल्प है। ऐसे जननायक, जिन्होंने लखनऊ को जिया, समझा और उसे अपने भीतर बसाया। उन्हें लोग आदर से बाबू जी कहते थे। उनकी स्मृतियाँ हमेशा इस शहर की फिजाओं में जीवित रहेंगी। रक्षामंत्री ने कहा कि संस्कृति से लेकर शिक्षा में सुधार तक, समाज सेवा से लेकर सामाजिक सद्भाव तक, शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो जहां टंडन ने अपनी छाप न छोड़ी हो। लालजी टंडन पर भारत की संस्कृति और सभ्यता के मूल्यों की गहरी छाप थी। उन्होंने इस किताब में लिखा है कि ह्यसेक्युलरिज्मह्ण शब्द का जन्म न तो भारतीय परिवेश में हुआ था, न भारत में। उनके लिए सेक्युलरिज्म का सही अर्थ था सर्वधर्म समभाव। यानी सभी धर्मों को बराबर मान देना। राजनाथ सिंह ने कहा कि लालजी टंडन का व्यक्तित्व जितना सरल और सहज था, वे निर्णय लेने में उतने ही दृढ़ और निर्भीक थे। नगर विकास मंत्री के रूप में उन्होंने अवैध कब्जों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की थी। विरोध हुआ लेकिन टंडन जी अपने निर्णय से कभी पीछे नहीं हटे, क्योंकि उनके लिए कानून व्यवस्था और न्याय सर्वोपरि थे। मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे उस लखनऊ का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला, जिसे लालजी टंडन ने अपने कर्म और समर्पण से सींचा और उनसे पहले अटल जी जैसे युगपुरुष ने जिसकी गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

उन्होंने कहा कि लखनऊ लालजी टंडन के लिए केवल एक शहर नहीं था, वह उनकी आत्मा का विस्तार था। यहाँ की गलियां, यहाँ का खान-पान, यहाँ की जीवन शैली—सब कुछ उनके मन और मस्तिष्क में बसा था। उनकी पुस्तक ह्यअनकहा लखनऊह्ण केवल एक किताब नहीं बल्कि इस शहर की आत्मा का दस्तावेज है। लालजीटंडन से, जो भी मिलता था, उनका अपना बन जाता था। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने लखनऊ को ही अपने भीतर समाहित कर लिया था। टंडन जी कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। लेकिन उनका जीवन केवल पद और प्रतिष्ठा की कहानी नहीं है, बल्कि साहस, संवेदनशीलता और न्याय के लिए खड़े होने की प्रेरणा है।

रक्षामंत्री ने कहा कि लालजी टण्डन के जीवन मूल्यों पर कई महान लोगों की छाप थी और जाने कितने लोगों पर टंडन के जीवन की भी छाप पड़ी। लालजी टंडन का बचपन से लेकर युवावस्था तक का जीवन, नानाजी देशमुख, दीनदयाल उपाध्याय जी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे राष्ट्रवादी नेताओं के सानिध्य में बीता। जिससे उन्हें जीवन में कभी भी सिद्धांतों से समझौता किए बिना कार्य करने की प्रेरणा मिली। उन्हें कई प्रसिद्ध साहित्यकारों का सानिध्य भी मिला, जिसने उनके मन में साहित्य के प्रति प्रेम और रूचि पैदा की। पुस्तक की प्रस्तावना साहित्यकार यतीन्द्र मिश्र ने रखी।

इस अवसर पर लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद संजय सेठ, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संजय चौधरी, पूर्व मंत्री डा.महेद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, एमएलसी मुकेश शर्मा, पवन सिह चौहान व विधायक डा.नीरज बोरा, योगेश शुक्ला प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

झूठे प्रचार से राजनीतिक रोटियां सेंक रही भाजपा : सुखविंद्र सिंह सुक्खू

मुख्यमंत्री ने कहा , भाजपा सोशल मीडिया प्लेटफार्म व इन्फलुएंसर का प्रयोग कर कांग्रेस की छवि खराब कर रही

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

ऊना में रविवार को पत्रकारवार्ता करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने एक बार फिर से भाजपा पर हमला बोला है। सीएम ने कहा कि भाजपा देशभर मे झूठा प्रचार करके अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सोशल मीडिया प्लेटफार्म व इन्फलुएंसर का प्रयोग कर कांग्रेस सरकार व नेताओं की छवि को खराब करने में जुटी हुई है। इसी झूठे प्रचार के बल पर भाजपा हिमाचल में फिर से सत्ता में आने का ख्वाब देख रही है, जो कभी पूरा नहीं होगा।

एक प्रश्न के जवाब में सीएम ने कहा कि भाजपा के समय अधिकारी सरकार चलाते थे, जबकि अब वह उपमुख्यमंत्री व मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर स्वयं सरकार चला रहे है। अधिकारियों के आपस में मसले रहते है। इन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए। यहां कुछ गलत होगा, वहां पर सरकार उचित कार्रवाई अवश्य करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में माफिया तंत्र को कुचलने के लिए भी सरकार पूरी तरह से गंभीर है। इस संबंध में गुंडा एक्ट को भी प्रदेश में लागू किया गया है। काफी हद तक ऐसे तत्वों पर शिकंजा कसा गया है। किसी को भी कानून को अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर दबाव में है। उन्हें अपनी कुर्सी बचाने के लिए जददोजहद करनी पड़ रही है। भाजपा पांच गुटों में विभक्त है। इनमें से कुछ जयराम को हटाना चाहते है। उन्होंने कहा कि भाजपा हिमाचल विरोधी रही है। प्रदेश के हितों के लिए भाजपा ने कभी लड़ाई नहीं लड़ी। हिमाचल में आपदाओं का दौर आया, तो भाजपा राजनीति करती रही। लेकिन प्रदेश के हित के लिए केंद्र के समक्ष कभी

आवाज नहीं उठाई। 2023 में प्रदेश में भारी प्राकृतिक आपदा में हजारों लोग बेघर हो गए। 75 हजार पर्यटक मनाली में फंस गए, राज्य सरकार ने इन सबके रेस्क्यू के लिए अभियान चलाया। उन्होंने कहा है करीब 23 हजार से अधिक घर आंशिक व पूरी तरह ध्वस्त हुए थे, उन्हें 7 लाख रुपए तक की मदद दी गई। 2025-26 में पुनः प्रदेश में आपदा में सैकड़ों लोग काल का ग्रास बने। प्रधानमंत्री मोदी धर्मशाला में आए व प्रदेश के लिए 1500 करोड़ राहत पैकेज की घोषणा कर गए, जिसका आज तक इंतजार है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि भाजपा के किसी सांसद ने आज तक संसद में आपदा के विषय को नहीं उठाया। प्रदेश की आरडीजी ग्रांट बंद कर दी गई, लेकिन इस मसले को नहीं उठाया गया। जीएसटी लागू होने से प्रदेश को नुकसान हुआ। भाजपा के किसी विधायक में हिम्मत नहीं है कि वह प्रधानमंत्री मोदी के पास जाकर प्रदेश के हित की बात कर सके और राज्य के लिए घोषित राहत राशि जारी करने की मांग कर सके। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार के समय हिमाचल प्रदेश को 47 हजार करोड़ रुपए आरडीजी ग्रांट व 13 हजार करोड़ रुपए जीएसटी कंपनसेशन के रुप में मिला, लेकिन जयराम सरकार ने प्रदेश की संपदा को लुटाया व चुनावी वर्ष में राजनीतिक लाभ के लिए 5 हजार करोड़ रुपए की रेबड़ियां बांटी। सुक्खू ने कहा कि जब जयराम सरकार सत्ता में आई थी तो प्रदेश पर 48 हजार करोड़ रुपए का ऋण था, वहीं जब 40 माह पूर्व उनकी सरकार सत्ता में आई तो उन्हें 76633 करोड़ रुपए का ऋण विरासत में मिला। उन्होंने कहा कि पिछले 3 सालों में 10325 करोड़ रुपए ऋण वापिसी व 15931 रुपए ऋण पर ब्याज के रुप में राज्य सरकार को चुकाने पड़े। जिसके लिए प्रदेश को 35542 करोड़ रुपए का ऋण लेना पड़ा।

काम करने के बजाए जरूरत से ज्यादा बोल रहे कुछ लोग : जयराम ठाकुर

कहा, आगामी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी

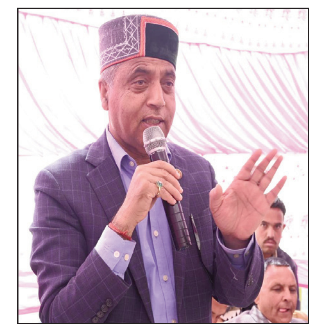

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी और प्रदेश को कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों से मुक्ति दिलाकर विकास की एक नई इबारत लिखेगी। जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठी गारंटियां देकर सत्ता में आई है। आते ही इन्होंने आपके इलाके में आपकी मांग पर खुले संस्थान बंद कर दिए। इन्होंने आपके दस काम बंद कर दिए आप भी अब एक काम करना कि कांग्रेस को वोट देना ही बंद कर देना ताकि भविष्य में आपके साथ ऐसा न हो।

रविवार को अपने गृह विधानसभा क्षेत्र सराज के दुर्गम इलाकों बागी, बांदल, खुनाची, डगैल, पलेउनी धार और थराएडु गांवों का दौरा कर वहां के निवासियों से मुलाकात कर समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने पंचायत चुनावों पर कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे आपसी तालमेल और विकास के एजेंडे के साथ चुनावी मैदान में उतरें। उन्होंने दावा किया कि पंचायत चुनाव में तो सरकार को झटका लगेगा । उन्होंने कहा कि आज हिमाचल के सबसे दुर्गम क्षेत्रों में जो सड़कों का जाल दिखाई दे रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सौजन्य से ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि आज जिस सड़क से यहां पहुंचा हूं उसका निर्माण भी केंद्र से मिले 14 करोड़ की राशि से हुआ है। आप सभी जानते हैं कि इसका निर्माण कब शुरू हुआ था और आज इसका निर्माण पूरा हुआ है। विरोधियों द्वारा उनके क्षेत्र में सड़कों के निर्माण पर उठाए गए सवालों का कड़ा जवाब देते हुए ठाकुर ने कहा कि 29 वर्षों से विधायक के रूप में मैंने इन दुर्गम रास्तों को पैदल नापा है और जनता के दुख-दर्द को करीब से महसूस किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री बनने से पूर्व ही उनकी विधानसभा की सभी पंचायतें सड़कों से जुड़ चुकी थीं और उनके कार्यकाल में बिना किसी भेदभाव के पूरे हिमाचल का एक समान विकास सुनिश्चित किया गया। उन्होंने कहा कि सत्ता जनता की सेवा और विकास के लिए मिलती है, न कि बदले की भावना से काम करने के लिए। कुछ लोग काम करने के बजाए जरूरत से ज्यादा बोल रहे हैं। अब तक छह मुख्यमंत्री काम कर चुके हैं लेकिन वर्तमान मुख्यमंत्री को छोड़कर कोई इतना झूठ नहीं बोलता था। मुख्यमंत्री पद की एक मर्यादा होती है जो पहली बार तार तार होती सबने देखी है। मुख्यमंत्री जनता के बीच भी झूठ बोलते हैं और विधानसभा में भी झूठ बोलकर गुमराह करते हैं।

मुबारिकपुर-भरवाई रोड पर ब्रेक फेल होने से एचआरटीसी बस पहाड़ी से टकराई

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

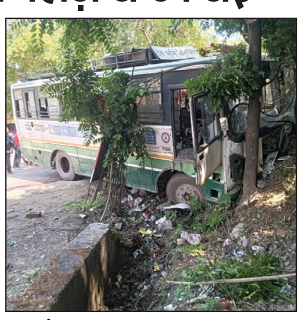

मुबारिकपुर-भरवाई रोड पर रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया, जब हिमाचल पथ परिवहन निगम की एक बस की ब्रेक अचानक फेल हो गए। चालक की सूझबूझ और साहस से बस को पहाड़ी से टकराकर रोका गया, जिससे संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवहन निगम की बस धर्मशाला से होशियारपुर की ओर जा रही थी। जैसे ही बस सिद्ध चलेहड़ मार्ग पर पहुंची, उसके ब्रेक फेल हो गए और बस अनियंत्रित हो गई। इसी दौरान बस ने सड़क किनारे खड़ी श्रद्धालुओं की एक कार को अपनी चपेट में ले लिया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए चालक ने तुरंत निर्णय लेते हुए बस को पास की पहाड़ी से टकरा दिया, जिससे बस रुक गई और एक बड़ा हादसा होने से बच गया। बताया जा रहा है कि बस में करीब 50 यात्री सवार थे। पहाड़ी से टकराने के कारण बस में सवार एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद बस में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई यात्री डर के मारे बस से कूदने लगे। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल अंब पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

उत्सव में दूसरे दिन बेबी शो, मासूमियत के कायल हुए डिप्टी सीएम

ऊना। राज्य स्तरीय हरोली उत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों के बीच बेबी शो में बच्चों की मासूम अदाओं ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। चार दिवसीय इस भव्य उत्सव में बच्चों से जुड़ी इस प्रतियोगिता को लेकर अभिभावकों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस शो में नौनिहालों ने अपनी मासूमियत, आकर्षक परिधानों और मुस्कान से सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में बच्चों का मूल्यांकन उनकी प्रस्तुति, स्वास्थ्य, सक्रियता और आत्मविश्वास के आधार पर किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में अभिभावकों ने अपने बच्चों के साथ भाग लिया और उत्सव स्थल को उत्साहपूर्ण माहौल से भर दिया। आयोजकों द्वारा विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहन स्वरूप प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। चार दिन तक चलने वाले इस उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा, बेबी शो, डॉग शो, काफ शो के अलावा हरोली क्षेत्र से जुड़ी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिससे यह उत्सव क्षेत्र की संस्कृति और प्रतिभा का एक बड़ा मंच बन गया है। यह बेबी शो न केवल बच्चों के प्रतिभा प्रदर्शन का माध्यम बना, बल्कि परिवारों के लिए मनोरंजन और सामाजिक सहभागिता का भी एक शानदार अवसर साबित हुआ।

25 साल सेवा के बाद भी प्रमोशन नहीं, हिमाचल के डॉक्टरों ने मांगी उत्तराखण्ड-राजस्थान की तर्ज पर पदोन्नति व्यवस्था

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

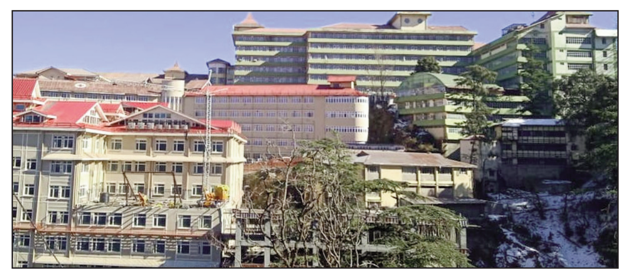

हिमाचल प्रदेश में लंबे समय तक सेवा देने के बावजूद पदोन्नति नहीं मिलने का मुद्दा अब मेडिकल ऑफिसरों के बीच बड़ा सवाल बनता जा रहा है। हिमाचल मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन ने कहा है कि प्रदेश में कई डॉक्टर करीब 25 वर्षों की सेवा पूरी करने के बाद भी बिना किसी पदोन्नति और अतिरिक्त वित्तीय लाभ के उसी पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। एसोसिएशन ने सरकार से उत्तराखंड और राजस्थान की तर्ज पर समयबद्ध करियर प्रोग्रेशन व्यवस्था लागू करने की मांग की है। हिमाचल मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन के प्रेस सचिव डॉ. विजय राय ने रविवार को कहा कि प्रदेश में प्रमोशनल पदों की कमी के कारण मेडिकल ऑफिसर कैडर का भविष्य प्रभावित हो रहा है और डॉक्टर अपने करियर को लेकर चिंता में हैं। उन्होंने कहा कि समयबद्ध पदोन्नति की स्पष्ट व्यवस्था न होने से कई डॉक्टर पूरी सेवा अवधि एक ही पद पर काम करने को मजबूर हो रहे हैं, जो उनके मनोबल पर असर डाल रहा है। उनका कहना है कि अन्य राज्यों की तुलना में हिमाचल के डॉक्टर करियर प्रगति के मामले में पीछे रह गए हैं। उत्तराखंड में डायनेमिक एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन व्यवस्था के तहत डॉक्टरों को 4, 9, 13 और 20 वर्ष की सेवा पूरी होने पर क्रमवार पदोन्नति और वित्तीय लाभ दिए जाते हैं। इसी तरह राजस्थान में भी चिकित्सकों के लिए समयबद्ध पदोन्नति और वेतन वृद्धि के स्पष्ट प्रावधान हैं, जबकि हिमाचल में ऐसी व्यवस्था लागू नहीं है। एसोसिएशन ने यह भी कहा कि पहले प्रदेश में 4-9-14 एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन स्कीम लागू थी, जिससे प्रमोशनल पदों की कमी की स्थिति में मेडिकल ऑफिसरों को कुछ वित्तीय राहत मिलती थी। लेकिन वर्तमान में इस तरह के स्पष्ट वित्तीय लाभ नहीं मिलने से मेडिकल ऑफिसर कैडर में भविष्य को लेकर चिंता और बढ़ गई है। हिमाचल मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि डॉक्टरों के लिए जल्द एक सम्मानजनक और समयबद्ध करियर प्रोग्रेशन ढांचा लागू किया जाए, जिससे उन्हें पदोन्नति और वित्तीय लाभ मिल सकें और वे बेहतर ढंग से अपनी सेवाएं दे सकें।

रोहडू में चिट्टा तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़ मैकेनिक बना यूपी का सप्लायर गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिला के रोहडू थाना क्षेत्र में चिट्टा तस्करी के एक संगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क का पुलिस ने पदार्फाश करते हुए उत्तर प्रदेश से मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की इस कार्रवाई को बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर बड़ी कामयाबी माना जा रहा है, क्योंकि इससे पहले 53.13 ग्राम हेरोइन की बरामदगी के मामले में गिरफ्तार दो स्थानीय युवकों से पूछताछ के बाद पूरे नेटवर्क की परतें खुलीं।

पुलिस के अनुसार 26 मार्च को विश्वसनीय सूचना के आधार पर रोहडू के गुदड़ू मोहल्ला स्थित एक दुकान में छापेमारी की गई थी। तलाशी के दौरान पिन्कू राम (36) निवासी कनेवरा और सुनील पुहारता (24) निवासी शरौंथा के कब्जे से 53.13 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की गई थी। इस बरामदगी के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), बैंक खातों की जांच और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर चिट्टा सप्लाई की पूरी श्रृंखला को खंगाला। जांच के दौरान सामने आया कि रोहडू क्षेत्र में पकड़ा गया चिट्टा एक संगठित नेटवर्क के माध्यम से बाहर से मंगवाया जा रहा था और इसका मुख्य सप्लायर उत्तर प्रदेश का रहने वाला सलमान हैदर है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि सलमान हैदर पहले रोहडू बाजार में मैकेनिक के रूप में काम कर चुका है। इसी दौरान उसने स्थानीय स्तर पर संपर्क विकसित किए और बाद में उन्हीं संपर्कों का इस्तेमाल करते हुए क्षेत्र में चिट्टा सप्लाई का नेटवर्क खड़ा कर लिया। वह पहले भी कई बार बड़ी मात्रा में चिट्टा पिन्कू राम को उपलब्ध करवा चुका था, जिसे आगे स्थानीय युवाओं तक पहुंचाया जाता था।

मुख्य सप्लायर तक पहुंच बनाने के लिए पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया और उसे उत्तर प्रदेश भेजा गया। लगातार तकनीकी निगरानी और प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने 11 अप्रैल को आरोपी सलमान हैदर को जिला बिजनौर से गिरफ्तार कर लिया। इस गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने रोहडू क्षेत्र में सक्रिय एक महत्वपूर्ण सप्लाई नेटवर्क की कड़ी को तोड़ने में सफलता हासिल की है।

साढ़े तीन साल में कांग्रेस सरकार ने हिमाचल की जनता की कमर तोड़ी : डॉ. राजीव बिंदल

नाहन। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने रविवार को नाहन में आयोजित आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुखु के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का साढ़े तीन वर्ष का कार्यकाल हिमाचल प्रदेश की जनता पर कहर बनकर टूटा है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने प्रदेश के हर वर्ग की कमर तोड़ दी है और जनता आज त्रस्त है जबकि सरकार मस्त है। डॉ. बिंदल ने कहा कि सरकार का पहला दायित्व कानून व्यवस्था बनाए रखना होता है, लेकिन पिछले साढ़े तीन वर्षों में हत्या, लूट, फिरौती, गैंगवार, गोलीबारी और महिला उत्पीड़न के मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि चिट्टा माफिया, शराब माफिया और कबाड़ माफिया को कांग्रेस सरकार और उसके नेताओं का संरक्षण प्राप्त है, जिससे प्रदेश में भय का माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर कांग्रेस सरकार ने प्रदेश को कर्ज में डुबो दिया है। साढ़े तीन साल में 45,000 करोड़ का कर्ज लेकर प्रदेश का कुल कर्ज 1.10 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया गया है। इसके साथ ही पेट्रोल-डीजल पर भारी वैट लगाकर जनता की जेब पर डाका डाला जा रहा है, जिससे महंगाई चरम पर पहुंच गई है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने को धिस्ती में किसान मेला आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण आत्मा, जिला मंडी द्वारा भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति के अंतर्गत ग्राम पंचायत धिस्ती, तहसील चच्योट में किसान मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना तथा रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के उपयोग को कम करने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग, हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष लाल सिंह कौशल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए इसे भविष्य की सुरक्षित, टिकाऊ और लाभकारी कृषि पद्धति बताया। इस अवसर पर विशेषज्ञों द्वारा किसानों को प्राकृतिक खेती की प्रमुख तकनीकों जैसे जीवामृत, घनजीवामृत और बीजामृत के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही प्राकृतिक खेती के लाभों, जैसे उत्पादन लागत में कमी, मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पादन पर भी प्रकाश डाला गया। किसानों को गेहूं, मक्का एवं हल्दी की नवीनतम न्यूनतम समर्थन मूल्य की जानकारी भी प्रदान की गई, ताकि वे अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर सकें।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होंगे

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

दक्षिण कश्मीर में पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर की वार्षिक तीर्थयात्रा 3 जुलाई को शुरू होगी और 57 दिनों के बाद 28 अगस्त को समाप्त होगी। 13 से 70 वर्ष की आयु के तीर्थयात्री यात्रा कर सकते हैं और पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होंगे।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की बैठक में यात्रा की तारीखें तय की गईं। उपराज्यपाल ने कहा कि इस साल की तीर्थयात्रा थोड़ी लंबी होगी, जो लगभग 57 दिनों तक चलेगी। तीर्थयात्रा के लिए पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है और 15 अप्रैल से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों के लिए न्यूनतम आयु 13 वर्ष और अधिकतम 70 वर्ष निर्धारित की गई है। सिन्हा ने कहा कि देश भर में लगभग 556 नामित बैंक शाखाओं के माध्यम से अग्रिम पंजीकरण किया जा सकता है, जबकि ऑनलाइन पंजीकरण श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि यस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एक्सिस बैंक अपनी शाखाओं के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा प्रदान करेंगे। एलजी ने कहा कि पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर की जाएगी। तीर्थयात्रा दो मार्गों से शुरू होगी, जिसमें पहला अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और दूसरा गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर छोटा, लेकिन तीव्र बालटाल मार्ग है।

मौसम

हिमाचल में बर्फबारी से माइनस में पारा

17-18 को आंधी-बिजली का येलो अलर्ट

अप्रैल के महीने में भी मौसम सर्द बना हुआ है

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में अप्रैल के महीने में भी मौसम सर्द बना हुआ है। ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी से तापमान फिर माइनस में पहुंच गया है, जबकि राज्य के कई हिस्सों में बीती रात वर्षा और कुछ स्थानों पर अंधड़ व बिजली गिरने की घटनाएं भी दर्ज की गई हैं। मौसम विभाग ने 17 और 18 अप्रैल को प्रदेश के कुछ हिस्सों में आंधी और बिजली गिरने की आशंका को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

हालांकि आज प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ है और धूप खिली हुई है। बीती रात अटल टनल रोहतांग, लाहौल स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा जिले के अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई। लाहौल-स्पीति जिला मुख्यालय केलांग में 2 सेंटीमीटर ताजा हिमपात रिकॉर्ड किया गया, जबकि इसी जिले के गोंदला में 3 सेंटीमीटर बर्फबारी हुई। ताजा हिमपात के कारण केलंग में न्यूनतम तापमान -0.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अप्रैल के महीने में ठंड के असर को साफ दिखाता है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी बीती रात कई स्थानों पर वर्षा हुई। सराहन में 25.3 मिलीमीटर, मनाली में 11 मिलीमीटर, कांगड़ा में 10 मिलीमीटर, पालमपुर में 5.2 मिलीमीटर, धर्मशाला में 4.1 मिलीमीटर, कुकुमसेरी में 2.6 मिलीमीटर और चंबा में 1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा कांगड़ा और चंबा के जोत क्षेत्र में अंधड़ और बिजली कड़कने की घटनाएं भी सामने आईं, जिससे कुछ समय के लिए मौसम खराब बना रहा। रविवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ बना हुआ है। शिमला और मनाली में सुबह से गुनगुनी धूप खिली हुई है, जिससे लोगों को राहत मिली है। वहीं राज्य के निचले क्षेत्रों में धूप निकलने से हल्की गर्मी का अहसास भी होने लगा है। हालांकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड का असर अभी भी बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार आज प्रदेश के अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी की संभावना बनी हुई है, जबकि मध्यवर्ती और मैदानी क्षेत्रों में मौसम साफ रहेगा। इसके बाद 13 से 15 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने का पूवार्नुमान है। 16 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से खासकर पर्वतीय इलाकों में वर्षा और बर्फबारी फिर शुरू हो सकती है।

मौसम विभाग ने 17 और 18 अप्रैल को प्रदेश के कुछ हिस्सों में आंधी और बिजली गिरने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इन दिनों 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और ऊंचाई वाले इलाकों में फिर से बर्फबारी के आसार है। इस बीच, प्रदेश में अप्रैल के महीने में भी मौसम अपेक्षाकृत ठंडा बना हुआ है और राज्य का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से करीब 3 डिग्री सेल्सियस नीचे चल रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

पांच घंटे बाद मां के दर्शन, चिंतपूर्णी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, सुगम दर्शन प्रणाली हुई बंद

ऊना। उत्तर भारत के प्रसिद्ध धार्मिक शक्तिपीठ माता श्री चिंतपूर्णी जी के दरबार में रविवार को भक्तों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह मंदिर के कपाट खुलते ही श्रद्धालु लाइन में लगकर मां के दर्शनों को जाते रहे। रविवार को छुट्टी होने के कारण काफी भीड़ देखी गई एक अनुमान के मुताबिक शाम तक 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां की पावन पवित्र पिंडी के दर्शन किए। श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ होने के कारण सड़क मार्ग पूरी तरह खचाखच भरा रहा। दोपहर 12 बजे तक श्रद्धालुओं की डबल लाइन लुधियाना धर्मशाला तक जा पहुंची। पंजाब व अन्य राज्यों में शनिवार, रविवार व बैसाखी की छुट्टियां होने के कारण हिमाचल के शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है जिसका प्रमाण माता श्री चिंतपूर्णी जी के दरबार में भी देखने को मिला। भीड़ को नियंत्रण, लाइन व सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलने के लिए मंदिर में तैनात सुरक्षा कर्मचारी को काफी पसीना बहाना पड़ा। सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा गेट नंबर एक से लेकर पुराना बस स्टैंड तक रस्सी वी बैरीगेट लगाकर श्रद्धालुओं को लाइन व्यवस्था के तहत जाने की अपील की गई तो वहीं दूसरी तरफ गेट नंबर दो में सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा वेरी गेट लगाकर लाइन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाया गया। मंदिर परिसर में भी श्रद्धालुओं की लाइन को सुचारू रूप से चलने के लिए रस्सी लगाकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा रहा है

कठुआ में भगवान परशुराम जन्मोत्सव आज से शुरू, 19 को निकलेगी भव्य शोभा यात्रा

कठुआ। श्री ब्राह्मण सभा कठुआ की ओर से रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव समारोह की विस्तृत रूपरेखा साझा की गई। सभा के अध्यक्ष सुरेंद्र मेहता की अध्यक्षता में जानकारी दी गई कि यह सात दिवसीय धार्मिक महोत्सव 13 अप्रैल से विधिवत शुरू होगा। बताया गया कि 13 अप्रैल सोमवार को सुबह 10 बजे कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया जाएगा। कथा वाचन के दौरान श्री गंगाधर जी महाराज एवं अखनूर के श्री कुलदीप शास्त्री जी अपने प्रवचनों से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश देंगे। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन 19 अप्रैल रविवार को हवन-पूजन के साथ होगा। इसी दिन सुबह 11 बजे शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। श्री ब्राह्मण सभा कठुआ ने जिले के सभी नागरिकों, गांववासियों तथा सभी धर्मों के लोगों से अपील की है कि वे इस सात दिवसीय महोत्सव और शोभा यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लें। इस अवसर पर बालकृष्ण शर्मा, मास्टरश अमरनाथ शर्मा, मुल्क राज शर्मा, नीलम शर्मा, सुषमा शर्मा, इन्देश्वर शर्मा, अनिल शर्मा, मनुज केसर, सचिन खजुरिया, सुनिल शर्मा, स्वर्ण शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ज्ञान विज्ञान समिति की नई कार्यकारिणी गठित जनजागरूकता और नशा रोकथाम पर जोर

धर्मशाला। हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति, ब्लॉक धर्मशाला की बैठक रविवार को गुरु रविदास सभागार, योल कैंट में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के इतिहास, कार्यप्रणाली और भविष्य की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान विजय ने ज्ञान विज्ञान समिति के इतिहास और कांगड़ा जिला में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं राका कौल ने लोकतांत्रिक संगठनों की कार्यशैली पर अपने विचार व्यक्त किए। मनोज चंदेल ने कहा कि ज्ञान विज्ञान समिति एक जनसंगठन है, जिसमें विभिन्न विचारधाराओं के लोग शामिल होकर अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और नशे के खिलाफ मिलकर कार्य कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मात्र 10 रुपये शुल्क देकर कोई भी व्यक्ति संगठन का सदस्य बन सकता है। डॉ. संजय चौधरी ने भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर परमिंदर सिंह, रमेश भनोट, सुखदेव सिंह और जिला अध्यक्ष उर्मिला राणा ने भी अपने विचार रखे। बैठक के अंत में जिला कमेटी सदस्य डॉ. संजय चौधरी द्वारा धर्मशाला ब्लॉक की नई कार्यकारिणी का प्रस्ताव रखा गया, जिसे उपस्थित प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से पारित किया। नई कार्यकारिणी में स्वर्णलता को प्रधान, राधा, सरदार परविंदर सिंह को उपप्रधान, मनोज चंदेल को महासचिव, उपेंद्र एवं रमेश भटूआ को संयुक्त सचिव तथा अन्य सदस्यों के रूप में उमेश, विजय, डॉ. संजय, उर्मिला राणा, राका कौल, राजेश, अविनाश और नीलेश को शामिल किया गया।

मंत्री आपके द्वार कार्यक्रम में विक्रमादित्य सिंह ने समस्याओं का मौके पर किया निपटारा

शिमला। शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के बसंतपुर के पास ग्राम पंचायत मंड्यालू में रविवार को लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह की अध्यक्षता में मंत्री आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मंड्यालू सहित आसपास की पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और अपनी समस्याएं तथा मांगें मंत्री के सामने रखीं। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में 17 समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम में मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने नवगठित मंड्यालू पंचायत के गठन पर क्षेत्रवासियों को बधाई दी और कहा कि यह लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी। उन्होंने कहा कि पंचायत घर ग्रामीण विकास का केंद्र होता है, जहां से योजनाएं बनती हैं और उन्हें लागू किया जाता है। उन्होंने लोगों से पंचायत भवन के निर्माण के लिए उपयुक्त जमीन उपलब्ध करवाने का आग्रह भी किया, ताकि पंचायत से जुड़ी सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकें।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

बाबा साहेब ने देश को एकता के सूत्र में बांधने का किया कार्यः कृष्ण बेदी

सर्व समाज की भलाई के लिए जीवन पर्यन्त लगे रहे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि डा. भीमराव अम्बेडकर ने सर्व समाज की भलाई के लिए सभी को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बांधने का कार्य किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रविवार को चण्डीगढ सेक्टर 3 निज निवास स्थान पर डा. भीमराव अम्बेडकर जंयती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। श्री बेदी ने प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के साथ चण्डीगढ से दिल्ली के लिए संविधान बस यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इन तीन बसों में श्रद्वालु दिल्ली स्थित अलीपुर रोड़ पर बाबा साहेब के स्मारक के दर्शन करेंगी। जहां पर बाबा साहेब ने अंतिम सांस ली थी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि डा. भीम राव अम्बेडकर जब लन्दन में राउण्ड टेबल कांग्रेस में भाग लेने गए, तब अंग्रेजों ने कहा कि अम्बेडकर आप अलग अछूत स्थान देश की मांग कर लो। उन्होंने अलग देश का ड्राफ्ट भी तैयार कर लिया था। तब बाबा साहेब ने कहा कि देश के टुकड़े नहीं होने देंगे और देश को प्रजातांत्रिक ढंग से चलाएंगे और इसी देश में रहकर हमारे समाज के लोगों को सम्मान और न्याय दिलाने का कार्य करेंगे।

श्री बेदी ने कहा कि इस प्रकार बाबा साहेब ने राष्ट्र की एकता के लिए काम किया। इसलिए बाबा साहेब को नए भारत का शिल्पकार कहा जाता है। डा. भीम राव अम्बेडकर ने हमें बेहतर संविधान का निर्माण कर हर गरीब वर्ग को उनके हक दिलाए। इस प्रकार बाबा साहेब ने सर्व समाज के हित के लिए कार्य किया। लेकिन कुछ लोगों ने उन्हें एक समाज की डोर में बांध दिया है जो बिल्कुल भी सही नहीं है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार बाबा साहेब के जनहितैषी नीतियों एवं कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने का कार्य कर रही है। भाजपा ने बाबा साहेब के पांच स्थानों को तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित किया गया जिसे आज हर नागरिक देखने के लिए लालायित है। भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा आयोजक कमेटी चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली प्रदेश के लोगों को बाबा साहेब के तीर्थ स्थलों का भ्रमण करवाने का कार्य कर रही है।

श्री बेदी ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज को जोड़ने की बात कही है और जीवनपर्यन्त इसी कार्य में लगे रहे। इसलिए जो अम्बेडकर की कुबार्नी अनुसार सम्मान की बात करेगा, समाज उनके लिए तत्पर रहेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सेनी और भाजपा सरकार में गरीब लोगों के हक सुरक्षित हैं और उनके हकों पर कोई डाका नहीं डाल सकता।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने कहा कि बाबा साहेब द्वारा रचित संविधान अनुसार हमें हर तरह की ताकत मिली है और आज देश उनके दिखाए मार्ग पर चलकर तरक्की की राह की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा बनाए गए बाबा साहेब के महत्वपूर्ण पंच तीर्थो पर लोग यात्रा कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं। यह तीर्थ स्थल समाज की भव्य और अमूल्य धरोहर हैं। हर नागरिक को इन तीर्थ स्थलों का अवश्य भ्रमण करना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की ओर नारी शक्ति वंदन अभियान चलाया गया है। इसके तहत महिला सशक्तिकरण हेतू लाडो लक्ष्मी योजना, ड्रोन दीदी, लखपति दीदी संबंधी योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा 16 से 18 अप्रैल तक संसद में विशेष सत्र के दौरान महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने का कार्य किया जाएगा। इस प्रकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर संकल्पबद्ध है और निरंतर कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम को पूर्व अध्यक्ष संजय टन्डन, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, पूर्व मेयर राजेश कालिया ने भी सम्बोधित कर भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर अमरजीत सोलंकी, अजय मितल, रंजिता मेहता, ओमप्रकाश सोनी, इरा नेगी, जोसेफ भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा आयोजक सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाएगी एचपीवी वैक्सीनः हरविन्द्र कल्याण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

अप्रैल हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि स्वास्थ्य के साथ-साथ विकास और व्यवस्था के प्रति भी लोगों को जागरूक होना जरूरी है। हाल ही में सरकार की ओर से लॉन्च की गई एचपीवी वैक्सीन बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाएगी। बेटियों को इसे समय पर लगवाना चाहिए। श्री कल्याण करनाल में आईएमए की स्थानीय इकाई की ओर से आयोजित वाकथॉन के शुभारंभ मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से वॉकथॉन का आयोजन करनाल क्लब से सिविल अस्पताल तक किया गया। इसमें आईएमए के सदस्यों के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बेटियों को बचाने के लिए पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने वैक्सीन लॉन्च की थी। वॉकथॉन के आयोजन के पीछे सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने से उनके बेहतर परिणाम सामने आते हैं। समाज में विकास व व्यवस्थाओं की मजबूती के साथ-साथ जागरूकता भी जरूरी है। जीवन में जब नागरिक जागरूक होकर आगे बढेंगे तो निश्चित रूप से उनकी सामाजिक कार्यों में भागेदारी बढ़ेगी। इससे समाज व राष्ट्र को फायदा होगा।

नायब सरकार एमएसपी पर एक-एक दाने की खरीद सुनिश्चित कर रहीः डॉ अरविंद शर्मा

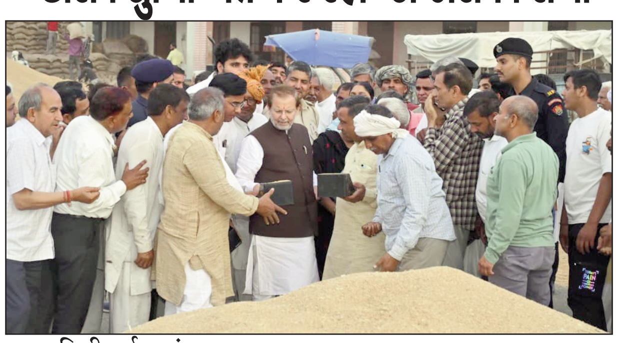

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार, प्रशासन किसान भाईयों की फसल के एक-एक दाने की खरीद एमएसपी पर सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को बायोमीट्रिक गेट पास से लेकर फसल खरीद और उठान की प्रक्रिया में कोई परेशानी न होने दी जाए।

डॉ अरविंद शर्मा ने गोहाना अनाज मंडी का औचक निरीक्षण कर मंडी में गेहू की ढेरियों पर जाकर माप तौल को जांचा। उन्होंने मार्किट कमेटी के साथ-साथ खरीद प्रक्रिया से जुड़ी एजेंसी वेयरहाउस और हैफेड को स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया को पारदर्शिता से पूरा किया जाए और किसी भी किसान भाई को कोई परेशानी न होने दी जाए। उन्होंने मार्किट कमेटी सचिव, हैफेड मैनेजर, वेयरहाउस मैनेजर को ठेकेदार एजेंसी के साथ मिलकर समय पर गेहूं उठान को सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

शिक्षा और अध्ययन जीवन में सफलता का मूल मंत्रः रणबीर गंगवा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि भारत रत्न बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर का जीवन यह साबित करता है कि संसाधनों की कमी के बावजूद, शिक्षा और अध्ययन से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है।

मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने यह बात हिसार के गांव बालक के संत शिरोमणि गुरु रविदास भवन में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जिन्हें हम बाबा साहेब के नाम से जानते हैं, उनका जीवन व संघर्ष पुस्तकों और ज्ञान के प्रति समर्पण का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने न केवल किताबें पढ़ीं, बल्कि ज्ञान के दम पर एक दबे-कुचले समाज को सशक्त बनाया। उन्होंने उपस्थित युवाओं को पुस्तकों को अपना मित्र बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि बाबा साहब ने भी यह बात कही है कि शिक्षा और ज्ञान ही सामाजिक/आर्थिक परिवर्तन की कुंजी है। इसीलिए शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो। उनका प्रसिद्ध नारा था। उन्होंने गांव बालक में पुस्तकालय की किताबों की उपलब्धता के लिए 5 लाख रुपए की राशि भी देने की घोषणा की। इस अवसर पर बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया।

श्याम सिंह राणा और लोक निर्माण व जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने बरवाला अनाज मंडी का किया दौरा

चंडीगढ। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा और लोक निर्माण व जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को बरवाला अनाज मंडी का दौरा किया। उन्होंने फसल खरीद व उठान व्यवस्थाओं की समीक्षा के साथ साथ व्यापारी व किसानों की समस्याएं भी सुनीं। इस दौरान किसानों और व्यापारियों ने उनके समक्ष हैफेड कर्मी पर परेशान करने के आरोप लगाए। कृषि मंत्री ने हैफेड कर्मी को सस्पैंड किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आवक और उठान के आंकड़ों की विस्तृत जानकारी ली। अधिकारियों को फसल के त्वरित उठान की हिदायतें दी गई, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। किसानों के बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन पर उन्होंने कहा कि फसल बिक्री के लिए किसान तीन व्यक्तियों के नाम दर्ज करा सकते हैं, जिनमें से कोई एक व्यक्ति आकर फसल बेच सकता है। वेरिफिकेशन के लिए अंगूठे के अलावा ओटीपी व अन्य विकल्प भी किसान को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार मार्च महीने में तापमान कम रहने से गेहूं की अच्छी फसल हुई है। प्रति एकड़ फसल पैदावार में इजाफा हुआ है। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को मंडी व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि भावांतर भरपाई योजना, मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल, उत्तम पोर्टल, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि योजना तथा ई-खरीद प्रणाली जैसी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य मिल रहा है और पारदर्शिता भी सुनिश्चित हुई है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मंडियों की नई व्यवस्था प्रदेश के किसानों के हित में है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब की सोच के अनुरूप हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना व आयुष्मान भारत जैसी अनेक योजनाओं को लागू किया है जिनका मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाना है। हरियाणा सरकार द्वारा ह्लसंत महापुरुष विचार प्रसार योजनाह्व चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य संतों, महापुरुषों और महान विभूतियों-जैसे बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना है। प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएं, युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहन और कौशल विकास कार्यक्रम तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लाडो लक्ष्मी जैसी विशेष योजनाएं चलाई गई है। हरियाणा सरकार ह्लअंत्योदयह्व के सिद्धांत पर चलते हुए यह सुनिश्चित कर रही है कि समाज का कोई भी वर्ग विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे।

संक्षिप्त-समाचार

थानेसर हलका में तीन गुणा गति के साथ करवाए जा रहे हैं विकास कार्यः सुभाष सुधा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि थानेसर हलका में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में तीन गुणा गति के साथ विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस हलका के गांव और शहरों में सबका साथ सबका विकास नीति को आधार मानकर विकास कार्यो को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। शहर के विकास में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बजट की कोई कमी नहीं रख रहे। आए दिन शहर में एक के बाद एक विकास कार्यो के उद्द्घाटन व शिलान्यास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के किसी भी प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पास ले जाने के देरी हैं, वहां से परियोजना को मंजूरी साथ के साथ मिल रही है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा रविवार को देर सायं आयुर्वेदिक कॉलेज चौक से लोटस ग्रीन सिटी के सामने वाली सडक पलवल तक का शिलान्यास करने उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। यह सडक लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से बनेगी। उन्होंने बताया कि इस सडक में स्पीड ब्रेकर, कर्व स्टोन, पेंट, कैटआई, थर्मो प्लास्टिक पेंट आदि का भी प्रयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस सडक को लेकर लोटस ग्रीन सिटी के निवासी काफी दिनों से मिल रहे थे और कह रहे थे कि इस सडक को जल्द से जल्द बनाया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का इस सडक को अप्रूवल देने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि 13 और 14 अप्रैल को केडीबी के मेला ग्राउंड में बैसाखी महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है, इसके लिए उन्होंने सभी को आमंत्रित भी किया। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि आगामी मई को रेलवे एलिवेटिड ट्रैक बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि करनाल से दिल्ली तक मैट्रो का कार्य शुरू हो चुका है और वे प्रयास करेंगे कि मैट्रो कुरुक्षेत्र तक आए। इस मौके पर मार्किट कमेटी चेयरमैन सुरेश सैनी, पार्षद प्रेम नैन अवस्थी, समाजसेवी मलकीत ढांडा, सौरभ चौधरी, बलवान, जसविन्द्र, जयपाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बारिश की वजह से खराब हुई गेहूँ पर सरकार दे राहत—नमी और चमक में कमी के नियमों में छूट जरूरीः डॉ. जसविंदर खैहरा

कुरुक्षेत्र। इस वर्ष लगातार हो रही बारिश की वजह से किसानों की गेहूँ की फसल को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। खेतों में खड़ी और कटी हुई फसल पर बारिश का सीधा असर पड़ा है, जिससे दाने की गुणवत्ता प्रभावित हुई है और नमी तथा चमक में कमी की समस्या बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा निर्धारित सख्त खरीद मानक किसानों के लिए बड़ी परेशानी बन रहे हैं। जेजेपी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. जसविंदर खेहरा ने कहा कि बारिश की वजह से फसल प्रभावित होना किसानों के बस में नहीं है, इसलिए सरकार को चाहिए कि वह संवेदनशीलता दिखाते हुए गेहूँ की खरीद में नमी और चमक में कमी से जुड़े नियमों में विशेष छूट दे। यदि इन मानकों में ढील नहीं दी गई तो किसानों को अपनी मेहनत की फसल औने-पौने दामों पर बेचनी पड़ेगी, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि किसान पहले ही मौसम की मार, बढ़ती लागत और अन्य समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे में सरकार का दायित्व बनता है कि वह किसानों के हित में तुरंत फैसला ले और मंडियों में गेहूँ की खरीद को आसान बनाए। हर किसान की फसल को बिना भेदभाव खरीदा जाए और मौजूदा हालात को देखते हुए गुणवत्ता मानकों में जरूरी राहत दी जाए। डॉ. खेहरा ने सरकार से मांग की कि जल्द से जल्द स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि मंडियों में किसानों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही प्रशासन से अपील की कि खरीद प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाया जाए, जिससे किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिल सके।

भाजपा की जनविरोधी नीतियों से जनता में आक्रोशः कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
देहरादून/हरिद्वार/कोटद्वार

उत्तराखंड दौरे पर कुमारी सैलजा ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव उत्तराखंड प्रभारी व सांसद कुमारी सैलजा इन दिनों उत्तराखंड के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने जहां विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की, वहीं सामाजिक, धार्मिक एवं जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राजनीतिक कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कुमारी सैलजा ने उत्तराखंड की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनविरोधी नीतियों के कारण प्रदेश की जनता में व्यापक आक्रोश की भावना पनप रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और जनहित के मुद्दों की अनदेखी से आमजन परेशान है और आने वाले समय में प्रदेश में परिवर्तन निश्चित है।

हरिद्वार में जय भगवान आश्रम में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कार्यकताओं से संवाद करते हुए संगठन को मजबूत करने, जनसंपर्क अभियानों को तेज करने तथा आगामी चुनावों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कार्यकताओं से एकजुट होकर जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। अपने दौरे के सामाजिक एवं प्रेरणादायक पक्ष में कुमारी सैलजा ने मसूरी स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इन वीर आंदोलनकारियों का बलिदान केवल इतिहास नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा है, जो हमें न्याय, सेवा और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने की दिशा देता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने हरिद्वार स्थित बिश्नोई आश्रम में ब्रह्मलीन गौ ऋषि स्वामी श्री राजेंद्रानंद जी महाराज की समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने स्वामी जी के जीवन को त्याग, सेवा और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण बताते हुए कहा कि उनके आदर्श समाज को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रमों के तहत कुमारी सैलजा ने कोटद्वार स्थित प्रसिद्ध श्री सिद्धबली धाम मंदिर में पूजा-अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की।

अपने इस दौरे के माध्यम से कुमारी सैलजा ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि कांग्रेस पार्टी न केवल राजनीतिक स्तर पर सक्रिय है, बल्कि सामाजिक सरोकारों और जनभावनाओं से भी गहराई से जुड़ी हुई है। कार्यकताओं के उत्साह और जनसमर्थन को देखते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनने की संभावनाएं प्रबल हैं।

सांस्कृतिक आयोजन से होता है व्यक्तित्व विकासः प्रो. वीरेन्द्र पाल

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित ह्लकॉमवर्स फेस्ट 2026ह्व उत्साह और उमंग के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेंद्र पाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विभागाध्यक्ष प्रो. महाबीर नरवाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. वीरेंद्र पाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्रों को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया और समग्र व्यक्तित्व विकास में इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। फेस्ट के दौरान गायन, नृत्य, कविता पाठ, मिमिक्री, रैंप वॉक, सस्पेंस गेम और बॉलीवुड क्विज जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में नृत्य श्रेणी में हर्षिता (एम.कॉम) ने प्रथम, करिश (बीबीए) ने द्वितीय और कशिश (एमपीए) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप डांस में अदिति और सुनैना विजेता रहीं। रैंप वॉक में हर्षिता ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय और अभिषेक ने तृतीय स्थान हासिल किया। मिमिक्री में दीपक बिष्ट तथा कविता पाठ में मेहक शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट श्रेणी में दीपक और उनकी टीम विजेता रही। कार्यक्रम में प्रो. अजय सुनेजा, प्रो. सुभाष चंद, डॉ. आशीष सांगवान, डॉ. हिमानी और डॉ. विजया सहित विभाग के अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। अंत में विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा कार्यक्रम का समापन ओपन डीजे सेशन के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने भरपूर आनंद लिया।

देश व प्रदेश की मौजूदा सरकार ने डॉ. बीआर अंबेडकर के नाम से किया पंचतीर्थ का निर्माण : हरविंद्र कल्याण

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण और कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने वाल्मीकि धर्मशाला में तैयार की गई डा. भीम राव अंबेडकर की भव्य प्रतिमा का किया अनावरण

हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि देश व प्रदेश सरकार गरीब का भला करने के लिए अंत्योदय की नीति से काम कर रही है। पंक्ति में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति को आगे लेकर जाया जा रहा है। वर्तमान में सरकार की सभी योजनाओं का लाभ सीधे नागरिकों तक पहुंच रहा है। मेरिट के आधार पर युवाओं को नौकरी मिल रही है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की मौजूदा सरकार ने डा. बीआर अंबेडकर के नाम से पंचतीर्थ का निर्माण किया है। इन स्थानों पर जाकर देश के नागरिकों गर्व की अनुभूति हो रही है। विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वो अपने बच्चों को परिश्रम व मेहनत के लिए जागरूक करें। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण रविवार को वाल्मीकि धर्मशाला में आयोजित डा. भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण समारोह में बोल रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण और कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने वाल्मीकि धर्मशाला में तैयार की गई डा. भीम राव अंबेडकर की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस प्रतिमा का निर्माण विधानसभा सचिव राजीव प्रसाद ने अपने पिता स्व. राजेंद्र प्रसाद की याद में करवाया है। स्व. राजेंद्र प्रसाद प्रदेश में वाल्मीकि समाज के पहले जज वर्ष 1980 में बने थे।

500 ड्रोन का शो और सांस्कृतिक विरासत के दृश्य बनाएंगे बैसाखी महोत्सव 2026 को यादगार

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- बैसाखी महोत्सव 2026 में होंगी दस्तारबंदी, पगड़ी बांधने, गतका, दंगल, महिलाओं की विभिन्न प्रतियोगिताएं
- कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर पहली बार बैसाखी महोत्सव का सजेगा मंच, प्रतिभागियों को 38 लाख से ज्यादा दिया जाएगा इनाम

बैसाखी महोत्सव 2026 को 500 ड्रोन का शो और सांस्कृतिक विरासत के अहम दृश्य यादगार बनाएंगे। यह महोत्सव पहली बार धर्मक्षेत्र, कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर 13 व 14 अप्रैल को केडीबी मेला ग्राउंड में होने जा रहा है। इस महोत्सव में पंजाब और हरियाणा की परम्परागत लोक संस्कृति, ग्रामीण परिवेश के साथ-साथ दस्तारबंदी, हरियाणवी स्टाईल पगड़ी, गतका, दंगल और महिलाओं की परंपरागत खेले अपने आप में एक आकर्षण का केन्द्र रहेगी। इस महोत्सव में लगने वाले मेले में दूर दराज से आने वाले पर्यटकों को हरियाणवी और पंजाबी व्यंजनों का स्वाद भी चखने को मिलेगा। अहम पहलू यह है कि इस बैसाखी महोत्सव 2026 का उद्घाटन 13 अप्रैल को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे और 14 अप्रैल को भी सायं 7 बजेमुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समापन समारोह में शिरकत करेंगे।

बैसाखी महोत्सव 2026 के हर क्षण को यादगार और सफल बनाने के उद्देश्य से शनिवार को नए लघु सचिवालय के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जहां उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बैसाखी महोत्सव 2026 को होने वाले तमाम कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा सबके समक्ष रखा वहीं पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, ओएसडी डा. प्रभलीन सिंह ने भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से कुरुक्षेत्र की धरा पर होने वाला पहला बैसाखी महोत्सव हर लिहाज से ऐतिहासिक और यादगार रहेगा। इस महोत्सव में 13 अप्रैल कोप्रसिद्ध कलाकार लखविन्द्र वडाली की कल्चरल नाईट होगी, वहीं 14 अप्रैल कोप्रसिद्ध लोक कलाकार कुलविन्द्र बिल्ला अपनी प्रस्तुति देंगे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि बैसाखी महोत्सव में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में 38 लाख से ज्यादा इनाम राशि वितरित की जाएगी। इन प्रतियोगिताओं में आमजन की भागीदारी भी रहेगी। इस महोत्सव में दांतों से वजन खिंचने वाले नरेन्द्र सिंह, सर्कल कबड्डी का मैच भी आकर्षण का केन्द्र रहेगा। इसके अलावा महिला व पुरुषों का दंगल, दस्तारबंदी, गतका, हरियाणवी स्टाईल पगड़ी, महिलाओं की मटका दौड़, पतंग प्रतियोगिता, विद्यार्थियों के बीच मेंहदी, रंगौली और पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। इस महोत्सव में प्रगतिशील किसानों, उल्लेखनीय व सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं को भी सम्मान दिया जाएगा। इस महोत्सव को लेकर प्रशासन की तरफ से तमाम प्रबंध किए जा रहे है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, ओएसडी डा. प्रभलीन सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, भाजपा नेता जयभगवान शर्मा, एडीसी विवेक आर्य ने कार्यक्रम स्थल केडीबी मेला ग्राउंड का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए है।

बैसाखी महोत्सव 2026 में सबसे अच्छी दस्तार सजाने वाले व्यक्ति को 11 हजार रुपए का ईनाम दिया जाएगा। इस महोत्सव में पहली बार दस्तारबंदी को लेकर सीनियर व जूनियर वर्ग की 2 प्रतियोगिताएं रखी गई है। हर वर्ग में प्रथम आने वाले प्रतिभागी को 11-11 हजार, द्वितीय को 8100-8100 रुपए, तृतीय को 5100-5100 रुपए की ईनाम राशि दी जाएगी। इस अवसर पर चेयरमैन धुमन सिंह किरमच, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, चेयरमैन धर्मवीर डागर, जिला परिषद की चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी, भाजपा नेता जयभगवान शर्मा, शुगरफैड के पूर्व चेयरमैन हरपाल सिंह चीका, कंवलजीत सिंह अजराना, एडीसी विवेक आर्य, एसडीएम अमन कुमार, डा. अवनित सिंह वडैच सहित सिख समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

नारी शक्ति की आवाज: एक ऐतिहासिक अवसर, एक साझा ज़िम्मेदारी

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ पल ऐसे होते हैं जो किसी एक दल की जीत या हार से परे होते हैं – जो पूरे राष्ट्र की चेतना को झकझोरते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नई राह बनाते हैं। महिला आरक्षण विधेयक में प्रस्तावित संशोधन ठीक ऐसा ही एक क्षण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के सदन नेताओं को पत्र लिखकर इस संशोधन को एकजुट होकर पारित करने की अपील की है। उनका यह कदम न केवल राजनीतिक साहस का प्रतीक है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि महिला सशक्तिकरण का प्रश्न किसी एक विचारधारा या दल की बपौती नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा है कि यह क्षण किसी एक दल या व्यक्ति से ऊपर है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे महिलाओं और भावी पीढ़ियों के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाएं। उनका यह पत्र महज एक औपचारिक निवेदन नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के प्रति एक गंभीर संकल्प है।नारी शक्ति वंदन अधिनियम, जिसे 2023 में 106वें संविधान संशोधन के रूप में पारित किया गया था, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान करता है। मूल कानून के अनुसार यह आरक्षण 2027 की जनगणना के बाद परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने पर ही लागू हो सकता था, जिसका अर्थ था कि यह व्यवस्था 2034 से पहले संभव नहीं थी। लेकिन अब सरकार चाहती है कि 2029 के लोकसभा चुनाव इस आरक्षण के साथ संपन्न हों। इसीलिए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का एक विशेष तीन दिवसीय सत्र बुलाया गया है। इस संशोधन के अनुसार लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर 816 हो जाएंगी, जिनमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। यह संख्या केवल एक आँकड़ा नहीं है – यह उन लाखों महिलाओं की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करती है जो दशकों से सत्ता के गलियारों में अपनी उचित भागीदारी की प्रतीक्षा कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर मिलते हैं। भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए यह अनिवार्य है कि महिलाएं इस यात्रा में सक्रिय और व्यापक भूमिका निभाएं। यह कोई खोखला नारा नहीं है। आज देश की बेटियां अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक, सशस्त्र बलों से लेकर स्टार्टअप की दुनिया तक – हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। ऐसे में यदि संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व आज भी मात्र 13-14 प्रतिशत तक सीमित है, तो यह लोकतंत्र की एक बड़ी विफलता है। प्रधानमंत्री ने सभी दलों को स्मरण कराया कि सभी राजनीतिक दल लंबे समय से महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाने की इच्छा जताते आए हैं। अब वह समय आ गया है जब इस आकांक्षा को वास्तविकता में बदला जाए। यह वाक्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्योंकि महिला आरक्षण का मुद्दा दशकों से संसद में उठता रहा है, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से यह अटकता रहा। इस बार का अवसर इतिहास में दर्ज होने योग्य है। हालाँकि, विपक्ष की आपत्तियों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री के पत्र के जवाब में कहा कि विशेष सत्र को विपक्ष को विश्वास में लिए बिना बुलाया गया है, और परिसीमन से जुड़े महत्वपूर्ण विवरण अभी भी स्पष्ट नहीं हैं। खरगे ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य चुनावों के बीच विशेष सत्र बुलाना यह दशार्ता है कि सरकार महिला सशक्तिकरण के बजाय राजनीतिक लाभ उठाने के लिए जल्दबाजी में है। उन्होंने 29 अप्रैल के बाद एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की माँग की है ताकि सभी दलों को परिसीमन के मुद्दे पर खुलकर चर्चा करने का अवसर मिले।विपक्ष की इन आशंकाओं में कुछ तथ्यात्मक आधार अवश्य है। संसदीय लोकतंत्र में किसी भी ऐतिहासिक संवैधानिक संशोधन को सर्वसम्मति और पारदर्शी विचार-विमर्श के बाद ही पारित किया जाना चाहिए। परिसीमन का प्रश्न केवल संख्याओं का मामला नहीं है – यह राज्यों के बीच शक्ति संतुलन का, दक्षिण बनाम उत्तर के प्रतिनिधित्व का एक जटिल प्रश्न है। इसीलिए सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि चर्चा वास्तव में समावेशी हो, केवल दिखावटी नहीं।लेकिन इस राजनीतिक बहस के बीच यह नहीं भूलना चाहिए कि महिला आरक्षण का मूल उद्देश्य निर्विवाद रूप से सकारात्मक है। सरकार इस कदम को लोकतांत्रिक संस्थाओं को नई ऊर्जा देने और जन-विश्वास को सुदृढ़ करने के साधन के रूप में देखती है। और सच यह है कि जब पंचायतों में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण मिला, तो देश के दूरदराज के इलाकों में शासन की दिशा और दशा बदली। महिलाओं ने न केवल सड़क, पानी और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी मुद्दों को प्राथमिकता दी, बल्कि भ्रष्टाचार को भी कम करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। यही अनुभव यदि राष्ट्रीय संसद में दोहराया जाए तो भारतीय लोकतंत्र का स्वरूप अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और प्रभावशाली बन सकता है। प्रस्तावित संशोधन के साथ-साथ एक परिसीमन विधेयक भी लाया जाएगा, जिसे संवैधानिक संशोधन के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह एक संवेदनशील मामला है, और सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि परिसीमन की प्रक्रिया किसी एक क्षेत्र या भाषाई समूह के हितों पर भारी न पड़े। निष्कर्ष यह है कि प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान – कि सभी दल एक स्वर में इस संशोधन को पारित करें – न केवल राजनीतिक दृष्टि से आवश्यक है, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी अनिवार्य है। यह समय पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सोचने का है। जो सांसद इस महिला आरक्षण के क्रियान्वयन में योगदान देंगे, वे सदैव इस गर्व के भागीदार रहेंगे कि वे एक ऐतिहासिक परिवर्तन के साक्षी और सहयोगी बने। यह अवसर बार-बार नहीं आता। भारत की 140 करोड़ की आबादी में आधी भागीदारी रखने वाली महिलाएं अब यह देखना चाहती हैं कि संसद उनके प्रति केवल भाषणों में नहीं, बल्कि वास्तविक कार्रवाई में भी प्रतिबद्ध है।नारी शक्ति वंदन – केवल एक कानून का नाम नहीं, यह उस वादे की पूर्ति है जो इस लोकतंत्र ने अपनी आधी आबादी से दशकों पहले किया था।

बंगाल में आक्रामक हुआ चुनाव प्रचार, जारी हुआ भाजपा संकल्प पत्र

– मृत्युंजय दीक्षित

असम, केरल व पुद्दुचेरी में विधानसभा चुनाव हेतु मतदान संपन्न हो जाने के बाद पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु के चुनाव प्रचार में आक्रामकता आ गई है। बंगाल के सन्दर्भ में प्राप्त विश्लेषणों के अनुसार ऐसा लग रहा है कि इस चुनाव में बंगाल में मात्र दो प्रतिशत मतों के अंतर से ही सरकार बनने का खेल होने वाला है। सत्ता के लिए प्रमुख लड़ाई चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए प्रयासरत ममता बनर्जी तथा भारतीय जनता पार्टी के बीच है। यही दोनों आक्रामक रूप से चुनाव प्रचार भी कर रहे हैं। भाजपा ने पहले ममता सरकार के खिलाफ श्वेत पत्र जारी किया फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीन बड़ी जनसभाओं के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया।

इस बीच बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व उनकी पार्टी के कुछ नेताओं ने भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से घबरा कर हिंसा को बढ़ावा देने वाली बयानबाजी आरम्भ कर दी। अभिषेक बनर्जी तो अपनी रैली में सीधे तौर पर भाजपा कार्यकर्ताओं की गर्दन, हाथ-पैर तोड़ने तक की बात कह रहे हैं। इसके लिए उनके खिलाफ चुनाव आयोग की ओर से एफआईआर भी की गई है। बंगाल की मुख्यमंत्री ने स्वयं चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और लगातार कोर्ट में अभियान चला रही हैं। बंगाल की मतदाता सूची से लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम कट जाने से वह अधिक परेशान हैं।

भाजपा भी इस बार सरकार बनाने के लिए लड़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी हल्दिया, आसनसोल व सिउड़ी की जनसभाओं में बंगाल की जनता को छह गारंटियां दीं जिनको भाजपा के संकल्प पत्र में दोहरा कर मजबूत किया गया। इन जनसभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने जहाँ एक ओर विकास और सुशासन का एजेंडा सामने रखा वहीं टीएमसी सरकार पर चौतरफा प्रहार किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबका साथ सबका विकास तो होगा ही लेकिन जिन लोगों ने लूटा है, उन लुटेरों का हिसाब भी होगा। उन्होंने ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विगत 15 वर्षों में राज्य में सिंडीकेट, कट मनी और गुंडाराज का बोलबाला रहा है जिससे आम जनता का विश्वास टूटा है। भाजपा सरकार आने पर भय की जगह भरोसा कायम किया जायेगा। भ्रष्टाचार करने वालों को जेल भेजेंगे। सरकारी सिस्टम जनता के लिए जवाबदेह होगा। हर घोटाले, भ्रष्टाचार ओर बहन बेटियों के साथ हुए अन्याय की फाइलें, खुलेंगी। घुसपैठियों को खोज खोजकर खदेड़ा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की जनसभाओं के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया है जिसमें कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। बंगाल में कोलकाता के भाजपा कार्यालय में वंदेमातरम संग्रहालय बनाया जाएगा। वंदे मातरम की परिकल्पना के माध्यम से बंगाल की संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करेंगे। अभी वंदेमातरम की 150वीं जयंती पर संसद में विशेष सत्र का आयोजन हो चुका है तथा साथ ही अब सरकारी आयोजनों में संपूर्ण वंदे मातरम गायन अनिवार्य किया जा चुका है। बंगाल की दृष्टि से वंदेमातरम संग्रहालय की स्थापना महत्वपूर्ण घोषणा है।

सिंगूर को लेकर घोषणा: भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में दूसरी बड़ी घोषणा सिंगूर को लेकर की है जिसमें भाजपा ने सरकार बनने के बाद वहां एक औद्योगिक पार्क बनाने का संकल्प किया है। ममता बनर्जी ने सिंगूर से अपनी पुख्ता राजनैतिक जमीन बनाने की शुरूआत की थी। पश्चिम बंगाल का सिंगूर विवाद भारत के औद्योगिक और राजनीतिक इतिहास की महत्वपूर्ण घटना रही है। सिंगूर विवाद वर्ष 2006 में शुरू हुआ था जब तत्कालीन वामपंथी सरकार ने हुगली जिले के सिंगूर में टाटा मोटर्स को नैनो कार बनाने के लिए करीब 997 एकड़ जमीन दी। सरकार ने यह जमीन पुराने भूमि अधिग्रहण कानून के अंतर्गत ली थी किंतु सरकार के निर्णय का कुछ स्थानीय किसान संगठनों ने विरोध किया था, तब ममता बनर्जी किसानों के समर्थन में आ गई और मां, माटी और मानुष का नारा दिया। आज बंगाल में सभी कल-कारखाने बंद हो चुके हैं और भारी बेरोजगारी है। यही कारण है कि भाजपा ने अब सिंगूर में ही औद्योगिक पार्क बनवाने का संकल्प लिया है।

संकल्प पत्र में राज्य में कानून व्यवस्था सुधारने और विकास को गति देने को भाजपा का लक्ष्य बताया गया है। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में महिलाओं, युवाओं, किसानों, बुजुर्गों एवं व्यापारियों के लिए घोषणा की है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में विशेष आयोग बनाया जाएगा और सभी मामलों की जांच कर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी। साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। इसके अलावा घुसपैठियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट नीति लागू की जाएगी। कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता लागू किया जाएगा। महिलाओं को हर महीने 3000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। आयुष्मान भारत सहित केंद्र सरकार की सभी योजनाएं बंगाल में लागू की जाएंगी। भाजपा ने बंगाल में भी समान नागरिक संहिता लागू करने का संकल्प लिया है

‘तुम बहुत बोल चुके, अब मैं बोलूंगी’

हृदयनारायण दीक्षित
(हि.स)

बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण आ गया है। केन्द्रीय मंत्रीपरिषद ने इसे पारित कर दिया है। महिला आरक्षण सामाजिक समता का ऐतिहासिक दस्तावेज है। इससे अथर्ववेद के एक मंत्र की ध्वनि सुनाई पड़ रही है। इस मंत्र में एक स्त्री कहती है, ‘तुम बहुत बोल चुके। अब मैं बोलूंगी।’ भारत में प्राचीन काल से ही स्त्री सम्मान रहा है। महिलाओं की खराब स्थिति का प्रचार करने वाले मिथ्या आरोप लगाते रहे हैं।

भारतीय समाज में स्त्रियां, पुरुष के बराबर सम्मानीय रही हैं। वैदिक काल में भी स्त्री सम्मान था। वैदिक काल की एक प्रतिष्ठित महिला मुदग्लानी रथ पर चढ़कर युद्ध में हिस्सा लेती थीं। युद्ध में उनके वस्त्रों का संचालन वायु देव ने किया था। ऋग्वेद के अनुसार युद्ध में विपशला का पैर कट गया। अश्वनी देवों ने उसे धातु का पैर लगा दिया था। पति और पत्नी को मिलाकर दंपत्ति बनता है। दंपत्ति में नारी की प्रतिष्ठा है। ऋग्वेद में अनेक सूक्तों में स्त्री सम्मान के तत्व हैं। सृष्टि की उत्पत्ति जल से होने का तथ्य चार्ल्स डार्विन ने भी स्वीकार किया है। जल माता का विचार डारविन के बहुत पहले वैदिक काल में ही पुष्ट हो चुका था। ऋग्वेद में ‘आपः मातरम’- जलमाताओं को नमस्कार किया गया है।

ऋग्वेद में अदिति नाम की एक महादेवी हैं। कहा गया है, ‘इस अस्तित्व के सभी तत्व अदिति हैं। अब तक जो कुछ हो गया है और जो कुछ भविष्य में होगा वह सब अदिति है।’ ऋग्वेद का सूक्त पठनीय है। अदितिः द्यौः अदितिः अन्तरिक्षं अदितिः माता सः पिता सः पुत्रः अदितिः विश्वेदेवाः अदितिः पंचजनाः अदितिः जातम जनित्वम-द्युलोक अदिति है, अंतरिक्ष भी अदिति है, माता-पिता-पुत्र सब अदिति हैं, सारे देव अदिति हैं, जो पंचजन सप्तसिन्धु में निवास करते हैं, वह सब अदिति हैं। जो कुछ उत्पन्न हुआ है और जो कुछ आगे उत्पन्न होगा, वह सब अदिति है। (ऋग्वेद 1.89.10) यूनानी देवतंत्र में अदिति के समान गूढ़ दार्शनिक अर्थ रखने वाली कोई देवी नहीं है।

विवाहित होना सम्मानीय था। स्मृतियों में दीर्घकाल तक अविवाहित बने रहने की आलोचना की गई है। विवाह नाम की संस्था का विकास धीरे-धीरे हुआ है। ऋग्वेद के रचनाकाल तक विवाह संस्था का समुचित विकास हो रहा था। स्त्री दासी नहीं है। ऋग्वेद के एक सुंदर मंत्र में नववधू को शुभकामनाएं देते हुए कहा गया है कि, ‘यह नववधू दीर्घकाल तक जिए। दीर्घकाल तक काम करे। ससुर और सभी परिजनों पर शासन करे।’ यह भारतीय संस्कृति का प्राचीन तत्व है।

भारत में नारी की स्थिति सभी कालों में सम्माननीय रही है। पूर्वजों ने स्त्री को समाज का संरक्षक माना है। वैदिक काल में महिलाएं मंत्रद्रष्टा ऋषि भी थीं। बृहदारण्यक उपनिषद के अनुसार राजा जनक ने विद्वानों की सभा बुलाई थी। अनेक विद्वान इस गोष्ठी में सम्मिलित थे। विद्वानों की सभा में गार्गी ने याज्ञवल्क्य से सीधे सवाल पूछे थे। पूछा था कि, ‘यह संपूर्ण अस्तित्व किस तत्व पर टिका हुआ है?’, ‘सृष्टि किस आधार पर खड़ी है।’ याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया, ‘जल पर।’ गार्गी ने उत्तर के बाद पूछा, ‘जल किसमें आधारित हैं?’ फिर पूछा गया कि, ‘इस अस्तित्व को कौन देवता आधार देते हैं?’ गार्गी ने पूछा, ‘इस विराट अस्तित्व का आधार क्या है?’ याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया ब्रह्म ही सबको धारण करता है। ब्रह्म ही सर्वोच्च हैं। गार्गी ने अगला प्रश्न पूछा कि, ‘ब्रह्म किस पर आधारित हैं। याज्ञवल्क्य ने कहा, ‘ब्रह्म सर्वोच्च हैं। ब्रह्म ही भिन्न-भिन्न रूपों में प्रकट होते हैं। ब्रह्म का कारण ब्रह्म हैं। ब्रह्म असीम हैं। अनंत हैं।

गार्गी की प्रतिभा अद्भुत थी। राम-सीता की जोड़ी में सीता और राम दोनों की विशिष्टता देखी जाती है। कोई बड़ा नहीं। कोई छोटा नहीं। सीता जैसा चरित्र दुनिया के किसी भी देश में नहीं मिलता। शिव-पार्वती में पार्वती प्रथमा हैं और वह सभी अवसरों पर शंकर जी से विभिन्न विषयों पर गहन प्रश्न पूछा करती हैं। कैकई और दशरथ के कथानक में कैकई विचारणीय हैं। भारतीय परंपरा व साहित्य में सर्वत्र स्त्री सम्मान की गूंज है। यत्र नारी अस्तु पूजते रमंते ततदेवता-जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रहते हैं। नारी माता हैं। अनेक प्रतीकों में स्त्री को माँ कहा गया है। माता से बढ़कर दूसरा कोई प्रतीक नहीं है। यहां भारत को भी भारत माता कहा गया है। अथर्ववेद के भूमि सूक्त में पृथ्वी को माँ बताया गया है। अधिकांश नदियों को भी हम माता ही कहते हैं। वैदिक काल में यज्ञ की अतिरिक्त प्रतिष्ठा रही है। यज्ञ विधान के अनुसार पूजा में पत्नी की उपस्थिति अनिवार्य है। अथर्ववेद के एक सुंदर मंत्र में ऋषि पत्नी से कहते हैं, ‘तुम ऋक हो। मैं साम (गान) हूं। मैं अंतरिक्ष हूं। तुम पृथ्वी हो।’

दुनिया की प्रत्येक सभ्यता में देवतंत्र है। देवता हैं, देवियां हैं। सामाजिक विकास के क्रम में मिस्र ने प्रकृति की शक्तियों को देवता जाना और माना था। जिस समाज में देवियां होंगी उस समाज में स्त्रियों का सम्मान होगा। देवतंत्र मनुष्य के सपनों का ही विस्तार है। देवियों का आदर स्त्रियों का आदर है, इसी तरह स्त्रियों का आदर देवियों का आदर है। भारत में वैदिक काल का देवतंत्र ध्यान देने योग्य है। भारत में अनेक देवियां हैं। ऋग्वेद में वाणी की अराधना की गई है। देवियों की उपासना करने वाले समाज में स्त्री सम्मान होगा ही। इसी तरह का एक शब्द है रोदसी। रोदसी में माता पृथ्वी और पिता आकाश को संयुक्त रूप में याद किया गया है। (ऋग्वेद 2.11.15) चाहे सोम रस की बात हो या अन्य सभी अनुशासनों में। माता-पिता की जोड़ी में मां प्रथमा हैं।

वैदिक काल में अनेक स्त्रियां वेद मंत्रों की रचयिता या द्रष्टा ऋषि भी रही हैं। इनमें लोमसा, लोपामुद्रा, यमी, श्रद्धा, ब्रह्मवादिनी जुहू, सूर्या, इंद्राणी, कच्छीवान की पुत्री घोषा आदि स्त्रियों की प्रतिष्ठा किसी भी विद्वान से कम नहीं थी। पूर्वजों ने मातृ शक्ति को पुरुष जैसा सम्मान दिया है। ऋग्वेद के एक सूक्त में पौलोमी सची द्वारा व्यक्त उद्गार देखने योग्य हैं। वे कहती हैं, ‘मैं ज्ञानवती हूं। मैं मूर्धन्य हूं। मैं तेजस्वी वक्ता हूं। मैं शत्रुओं का विनाश करती हूं। पति मेरे अनुकूल व्यवहार करते हैं।ऐतरेय ब्राह्मण में गंधर्व ग्रहीता कुमारी का विवरण है। शतपथ ब्राह्मण के अनुसार मैत्रेयी ऋषि याज्ञवल्क्य की पत्नी थीं। उनकी रुचि ब्रह्म विद्या में थी। याज्ञवल्क्य ने सन्यासी होने का निर्णय लिया। दोनों पत्नियों को बुलाया और बताया कि हमारी संपदा दोनों पत्नियां मिलकर बांट लो। इस पर मैत्रेयी ने कहा कि, ‘मुझे धन संपदा नहीं चाहिए। आपको जो ज्ञान प्राप्त हो वही मुझे दीजिए।’ कृतार्षिनी ने मीमांसा दर्शन पर ग्रंथ लिखा था।

वैदिक काल में शिक्षा की उत्तम व्यवस्था थी। इनमें तमाम महिलाएं आचार्य थीं। बच्चों को पढ़ाती थीं। पाणिनी की व्याकरण के अनुसार उपाध्याय की पत्नी को उपाध्यायानी कहा गया है और जो स्त्री स्वयं अध्ययन का कार्य करे उसके लिए उपाध्याय शब्द ठीक होगा। वैदिक काल में संपत्ति पर स्त्रियों का भी अधिकार था। महिलाएं घर की प्रधान थीं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

दुष्ट सर्प और कौवे

एक जंगल में एक बहुत पुराना बरगद का पेड था। उस पेड पर घोंसला बनाकर एक कौआ-कव्वी का जोडा रहता था। उसी पेड के खोखले तने में कहीं से आकर एक दुष्ट सर्प रहने लगा। हर वर्ष मौसम आने पर कव्वी घोंसले में अंडे देती और दुष्ट सर्प मौका पाकर उनके घोंसले में जाकर अंडे खा जाता। एक बार जब कौआ व कव्वी जल्दी भोजन पाकर शीघ्र ही लौट आए तो उन्होंने उस दुष्ट सर्प को अपने घोंसले में रखे अंडों पर झपटते देखा।

अंडे खाकर सर्प चला गया कौए ने कव्वी को ढाडस बंधाया 'प्रिये, हिम्मत रखो। अब हमें शत्रु का पता चल गया हैं। कुछ उपाय भी सोच लेंगे।'

कौए ने काफी सोचा विचारा और पहले वाले घोंसले को छोड उससे काफी ऊपर टहनी पर घोंसला बनाया और कव्वी से कहा 'यहां हमारे अंडे सुरक्षित रहेंगे। हमारा घोंसला पेड की चोटी के किनारे निकट हैं और ऊपर आसमान में चील मंडराती रहती हैं। चील सांप की बैरी हैं। दुष्ट सर्प यहां तक आने का साहस नहीं कर पाएगा।'

कौवे की बात मानकर कव्वी ने नए घोंसले में अंडे सुरक्षित रहे और उनमें से बच्चे भी निकल आए।

उधर सर्प उनका घोंसला खाली देखकर यह समझा कि कि उसके डर से कौआ कव्वी शायद वहां से चले गए हैं पर दुष्ट सर्प टोह लेता रहता था। उसने देखा कि कौआ-कव्वी उसी पेड से उडते हैं और लौटते भी वहीं हैं। उसे यह समझते देर नहीं लगी कि उन्होंने नया घोंसला उसी पेड पर ऊपर बना रखा हैं। एक दिन सर्प खोह से निकला और उसने कौओं का नया घोंसला खोज लिया।

घोंसले में कौआ दंपती के तीन नवजात शिशु थे। दुष्ट सर्प उन्हें एक-एक करके घपाघप निगल गया और अपने खोह में लौटकर डकारें लेने लगा।

कौआ व कव्वी लौटे तो घोंसला खाली पाकर सन्न रह गए। घोंसले में हुई टूट-फूट व नन्हें कौओं के कोमल पंख बिखरे देखकर वह सारा माजरा समझ गए। कव्वी की छाती तो दुख से फटने लगी। कव्वी बिलख उठी 'तो क्या हर वर्ष मेरे बच्चे सांप का भोजन बनते रहेंगे?'

कौआ बोला 'नहीं! यह माना कि हमारे सामने विकट समस्या हैं पर यहां से भागना ही उसका हल नहीं हैं। विपत्ति के समय ही मित्र काम आते हैं। हमें लोमडी मित्र से सलाह लेनी चाहिए।'

दोनों तुरंत ही लोमडी के पास गए। लोमडी ने अपने मित्रों की दुख भरी कहानी सुनी। उसने कौआ तथा कव्वी के आंसू पोंछे। लोमडी ने काफी सोचने के बाद कहा 'मित्रो! तुम्हें वह पेड छोडकर जाने की जरुरत नहीं हैं। मेरे दिमाग में एक तरकीब आ रही हैं, जिससे उस दुष्टसर्प से छुटकारा पाया जा सकता हैं।'

लोमडी ने अपने चतुर दिमाग में आई तरकीब बताई। लोमडी की तरकीब सुनकर कौआ-कव्वी खुशी से उछल पडें। उन्होंने लोमडी को धन्यवाद दिया और अपने घर लौट आए।

अगले ही दिन योजना अमल में लानी थी। उसी वन में बहुत बडा सरोवर था। उसमें कमल और नरगिस के फूल खिले रहते थे। हर मंगलवार को उस प्रदेश की राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ वहां जल-क्रीडा करने आती थी। उनके साथ अंगरक्षक तथा सैनिक भी आते थे।

इस बार राजकुमारी आई और सरोवर में स्नान करने जल में उतरी तो योजना के अनुसार कौआ उडता हुआ वहां आया। उसने सरोवर तट पर राजकुमारी तथा उसकी सहेलियों द्वारा उतारकर रखे गए कपडों व आभूषणों पर नजर डाली। कपडे से सबसे ऊपर था राजकुमारी का प्रिय हीरे व मोतियों का विलक्षण हार।

कौए ने राजकुमारी तथा सहेलियों का ध्यान अपनी और आकर्षित करने के लिए ‘कांव-कांव’ का शोर मचाया। जब सबकी नजर उसकी ओर घूमी तो कौआ राजकुमारी का हार चोंच में दबाकर ऊपर उड गया। सभी सहेलियां चीखी 'देखो, देखो! वह राजकुमारी का हार उठाकर ले जा रहा हैं।' सैनिकों ने ऊपर देखा तो सचमुच एक कौआ हार लेकर धीरे-धीरे उडता जा रहा था। सैनिक उसी दिशा में दौडने लगे। कौआ सैनिकों को अपने पीचे लगाकर धीरे-धीरे उडता हुआ उसी पेड की ओर ले आया। जब सैनिक कुच ही दूर रह गए तो कौए ने राजकुमारी का हार इस प्रकार गिराया कि वह सांप वाले खोह के भीतर जा गिरा।

सैनिक दौडकर खोह के पास पहुंचे। उनके सरदार ने खोह के भीतर झांका। उसने वहां हार और उसके पास में ही एक काले सर्प को कुडंली मारे देखा। वह चिल्लाया 'पीछे हटो! अंदर एक नाग हैं।' सरदार ने खोह के भीतर भाला मारा। सर्प घायल हुआ और फुफकारता हुआ बाहर निकला। जैसे ही वह बाहर आया, सैनिकों ने भालों से उसके टुकडे-टुकडे कर डाले।

बगुला भगत और केकड़ा

बगुले ने जोर की हिचकी ली और भर्राए गले से बोला 'बेटे, बहुत कर लिया मछलियों का शिकार। अब मैं यह पाप कार्य और नहीं करुंगा। मेरी आत्मा जाग उठी हैं। इसलिए मैं निकट आई मछलियों को भी नहीं पकड रहा हूं। तुम तो देख ही रहे हो।'

केकडा बोला 'मामा, शिकार नहीं करोगे, कुछ खाओगे नहीं तो मर नहीं जाओगे?'

बगुले ने एक और हिचकी ली 'ऐसे जीवन का नष्ट होना ही अच्छा है बेटे, वैसे भी हम सबको जल्दी मरना ही है। मुझे ज्ञात हुआ है कि शीघ्र ही यहां बारह वर्ष लंबा सूखा पडेगा।'

बगुले ने केकडे को बताया कि यह बात उसे एक त्रिकालदर्शी महात्मा ने बताई हैं, जिसकी भविष्यवाणी कभी गलत नहीं होती। केकडे ने जाकर सबको बताया कि कैसे बगुले ने बलिदान व भक्ति का मार्ग अपना लिया हैं और सूखा पडने वाला हैं।

उस तालाब के सारे जीव मछलियां, कछुए, केकडे, बत्तखें व सारस आदि दौडे-दौडे बगुले के पास आए और बोले 'भगत मामा, अब तुम ही हमें कोई बचाव का रास्ता बताओ। अपनी अक्ल लडाओ तुम तो महाज्ञानी बन ही गए हो।'

बगुले ने कुछ सोचकर बताया कि वहां से कुछ कोस दूर एक जलाशय हैं जिसमें पहाडी झरना बहकर गिरता हैं। वह कभी नहीं सूखता। यदि जलाशय के सब जीव वहां चले जाएं तो बचाव हो सकता हैं। अब समस्या यह थी कि वहां तक जाया कैसे जाएं? बगुले भगत ने यह समस्या भी सुलझा दी 'मैं तुम्हें एक-एक करके अपनी पीठ पर बिठाकर वहां तक पहुंचाऊंगा क्योंकि अब मेरा सारा शेष जीवन दूसरों की सेवा करने में गुजरेगा।'

सभी जीवों ने गद्-गद् होकर ‘बगुला भगतजी की जै’ के नारे लगाए।

अब बगुला भगत के पौ-बारह हो गई। वह रोज एक जीव को अपनी पीठ पर बिठाकर ले जाता और कुछ दूर ले जाकर एक चट्टान के पास जाकर उसे उस पर पटककर मार डालता और खा जाता। कभी मूड हुआ तो भगतजी दो फेरे भी लगाते और दो जीवों को चट कर जाते तालाब में जानवरों की संख्या घटने लगी। चट्टान के पास मरे जीवों की हड्डियों का ढेर बढने लगा और भगतजी की सेहत बनने लगी। खा-खाकर वह खूब मोटे हो गए। मुख पर लाली आ गई और पंख चर्बी के तेज से चमकने लगे। उन्हें देखकर दूसरे जीव कहते 'देखो, दूसरों की सेवा का फल और पुण्य भगतजी के शरीर को लग रहा है।'

बगुला भगत मन ही मन खूब हंसता। वह सोचता कि देखो दुनिया में कैसे-कैसे मूर्ख जीव भरे पडे हैं, जो सबका विश्वास कर लेते हैं। ऐसे मूर्खों की दुनिया में थोडी चालाकी से काम लिया जाए तो मजे ही मजे हैं। बिना हाथ-पैर हिलाए खूब दावत उडाई जा सकती है संसार से मूर्ख प्राणी कम करने का मौका मिलता है बैठे-बिठाए पेट भरने का जुगाड हो जाए तो सोचने का बहुत समय मिल जाता हैं।

बहुत दिन यही क्रम चला। एक दिन केकडे ने बगुले से कहा 'मामा, तुमने इतने सारे जानवर यहां से वहां पहुंचा दिए, लेकिन मेरी बारी अभी तक नहीं आई।'

भगतजी बोले 'बेटा, आज तेरा ही नंबर लगाते हैं, आजा मेरी पीठ पर बैठ जा।'

केकडा खुश होकर बगुले की पीठ पर बैठ गया। जब वह चट्टान के निकट पहुंचा तो वहां हड्डियों का पहाड देखकर केकडे का माथा ठनका। वह हकलाया 'यह हड्डियों का ढेर कैसा है? वह जलाशय कितनी दूर है, मामा?'

बगुला भगत ठां-ठां करके खूब हंसा और बोला 'मूर्ख, वहां कोई जलाशय नहीं है। मैं एक- एक को पीठ पर बिठाकर यहां लाकर खाता रहता हूं। आज तू मरेगा।'

केकडा सारी बात समझ गया। वह सिहर उठा परन्तु उसने हिम्मत न हारी और तुरंत अपने जंबूर जैसे पंजों को आगे बढाकर उनसे दुष्ट बगुले की गर्दन दबा दी और तब तक दबाए रखी, जब तक उसके प्राण पखेरु न उड गए।

फिर केकडा बगुले भगत का कटा सिर लेकर तालाब पर लौटा और सारे जीवों को सच्चाई बता दी कि कैसे दुष्ट बगुला भगत उन्हें धोखा देता रहा।

आज का राशिफल

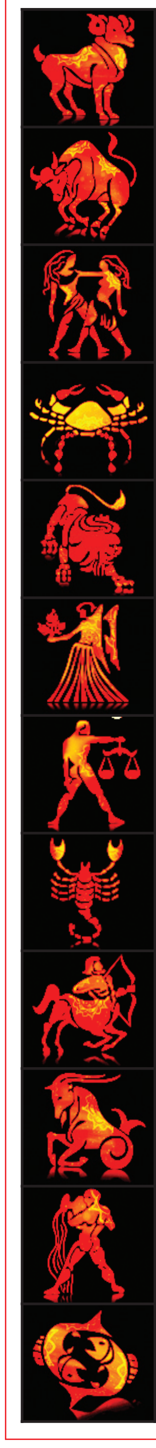

मेष: आज आपका कार्यभार पहले की तुलना में हल्का महसूस होगा, जिससे राहत मिलेगी। लंबे समय से अटके काम समय पर पूरे हो सकते हैं। कार्यस्थल पर आपकी सक्रियता और ऊर्जा सराहनीय रहेगी। नई योजनाओं को लेकर उत्साह बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: राजनीति या प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए आज अहम निर्णय लेने का समय हो सकता है। अपनी बात रखते समय संतुलन और समझदारी जरूरी है। अधिकारी आपके काम से संतुष्ट रहेंगे। सहकर्मियों के सहयोग से रुके हुए प्रोजेक्ट फिर से गति पकड़ सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: आज समाज में आपकी छवि मजबूत होगी और लोग आपके कार्यों की सराहना करेंगे। धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों में रुचि बढ़ेगी। परीक्षा या करियर से जुड़े परिणाम आपके पक्ष में आने की संभावना है। नौकरी में अनुकूल माहौल मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: घर का माहौल सामान्य और शांत रहेगा, लेकिन कुछ अच्छे अवसर आपके हाथ से निकल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में अनुशासन और समझदारी बनाए रखें। अपनी गलतियों से सीखना आज आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: व्यवसाय में स्थिरता से संतोष मिलेगा और आप अपनी कार्यशैली में बदलाव करने का विचार कर सकते हैं। नौकरी में आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार, खासकर जीवनसाथी और बच्चों के साथ समय बिताना जरूरी रहेगा। मानसिक तनाव कम होगा और माहौल हल्का-फुल्का बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आज सरकारी योजनाओं या सुविधाओं का लाभ मिलने के संकेत हैं। मन में कई नई योजनाएं चलेंगी और आप व्यस्तता के बावजूद खुद के लिए समय निकाल पाएंगे। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और फिटनेस पर ध्यान देंगे। *(सिटी दर्पण)*

तुला: दांपत्य जीवन में मतभेद की स्थिति बन सकती है, इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लें। अपनी बात मनवाने के लिए जिद न करें। छात्रों को पढ़ाई में किसी विषय को लेकर भ्रम की स्थिति हो सकती है। कमीशन या डील से जुड़े कार्यों में आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: कार्यस्थल पर सहयोगियों के साथ बेहतर व्यवहार बनाए रखें। तकनीकी या डिजिटल क्षेत्र से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। मन थोड़ा अस्थिर रह सकता है, लेकिन काम में प्रगति जारी रहेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। *(सिटी दर्पण)*

धनु: नए लोगों पर तुरंत भरोसा करने से बचें। अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। परिवार के साथ किसी समारोह में शामिल हो सकते हैं। निजी रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बन सकता है। पुराने अनुभव आपके काम आएंगे। *(सिटी दर्पण)*

मकर: आज स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर खर्च करना पड़ सकता है। सरकारी कामों में थोड़ी रुकावट आ सकती है। जीवनसाथी के साथ सम्मानजनक व्यवहार रखें। विरोधियों से सतर्क रहना जरूरी है। आय के नए स्त्रोत खुल सकते हैं, हालांकि दिन की शुरूआत थोड़ी नकारात्मक रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: घर-परिवार में शांति और संतोष का वातावरण रहेगा। जीवनसाथी के साथ दिल की बातें साझा करने का अवसर मिलेगा। अधूरे कामों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। शुभ कार्यों में खर्च संभव है। दूसरों की मदद करने के लिए आप हमेशा तैयार रहेंगे और नए दोस्त भी बन सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आज आपकी दिनचर्या थोड़ी असंतुलित रह सकती है। अनावश्यक दिखावे पर खर्च बढ़ सकता है। गलत संगत से नुकसान होने की आशंका है, इसलिए सावधान रहें। परिवार की भावनाओं का सम्मान करें। बेवजह की भागदौड़ से बचें और समय का सही उपयोग करें। *(सिटी दर्पण)*

पंजाब की बेटियों ने 'शिक्षा क्रांति' में अग्रणी भूमिका निभाई, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की आठवीं कक्षा के नतीजों में पहले 20 में से 19 स्थान हासिल किए: भगवंत सिंह मान

आठवीं कक्षा के शीर्ष 20 विद्यार्थियों को बिना एडमिशन परीक्षा के स्कूल ऑफ एमिनेंस में सीधा प्रवेश मिलेगा: मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि पंजाब की 'शिक्षा क्रांति' जमीनी स्तर पर नतीजे दे रही है और आम परिवारों की बेटियों ने पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की आठवीं कक्षा की मेरिट लिस्ट में पहले 20 में से 19 स्थान हासिल करके दबदबा बना लिया है। चंडीगढ़ में अपने आवास पर शीर्ष विद्यार्थियों का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की कि पहले 20 विद्यार्थियों को बिना किसी एडमिशन परीक्षा के स्कूल ऑफ एमिनेंस में सीधा प्रवेश दिया जाएगा, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने की पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

मुख्यमंत्री ने पहले तीन स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को 50-50 हजार रुपए के नकद इनाम से सम्मानित किया और विद्यार्थियों से अपील की कि वे जमीन से जुड़े रहें, कड़ी मेहनत करें और सही रोल मॉडल चुनें। उन्होंने कहा कि पंजाब के बदले हुए सरकारी स्कूल अब शिक्षा में राष्ट्रीय मानक के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन विद्यार्थियों द्वारा दिखाया गया आत्मविश्वास, अनुशासन और दृढ़ता शिक्षा में निरंतर निवेश के प्रभाव को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार आधुनिक स्कूलों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सही माहौल के माध्यम से हर बच्चे की आकांक्षाओं को उड़ान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्यार्थियों से बातचीत के कुछ अंश साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक्स पर लिखा, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की आठवीं कक्षा के नतीजों में पूरे सूबे से अव्वल रहने वाले होनहार विद्यार्थियों को आज चंडीगढ़ में सम्मानित किया गया। इस खास मौके पर उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी दिल से बधाई दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा, इस साल के नतीजों में पहला स्थान ईंटों के भट्ठे पर काम करने वाले मुनीम की होनहार बेटी ने हासिल किया है, जबकि दूसरा और तीसरा स्थान क्रमशः टाइलों की दुकान के मालिक और एक सरकारी प्राइमरी स्कूल के शिक्षक की बेटियों ने प्राप्त किया है। ये नतीजे स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं कि आम परिवारों के बच्चे अब शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहे हैं। इन बच्चों के आत्मविश्वास, कड़ी मेहनत और समर्पण को देखकर हमें बहुत खुशी और गर्व महसूस हुआ।

पोस्ट के अंत में कहा गया है, हमारी सरकार बच्चों के सपनों को उड़ान देने और उन्हें जीवन में सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम गुणवत्ता भरी शिक्षा, आधुनिक स्कूल और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

अव्वल रहे विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस बात पर जोर दिया कि पहली बार लड़कियों ने टॉप 20 में से 19 स्थान हासिल करके मेरिट लिस्ट में दबदबा बना लिया है, यह उनके दृढ़ इरादे का शक्तिशाली प्रमाण है। उन्होंने इस शानदार उपलब्धि पर जोर देते हुए कहा, इन विद्यार्थियों को बिना किसी प्रवेश परीक्षा के स्कूल ऑफ एमिनेंस में नवीं कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। पहली बार लड़कियों ने पहले 20 में से 19 स्थान हासिल किए हैं, जिसमें सिर्फ एक लड़का 20वें रैंक पर है। पहले 19 स्थान हासिल करके लड़कियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

विद्यार्थियों की योग्यता और क्षमता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई आठवीं कक्षा की परीक्षाओं में कुल 2.62 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, ये टॉप 20 विद्यार्थी पहले ही अपनी योग्यता साबित कर चुके हैं। शीर्ष स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों ने अपनी योग्यता साबित की है और इसलिए उन्हें बिना किसी एडमिशन परीक्षा के मेरिट के आधार पर स्कूल ऑफ एमिनेंस में विशेष कोटे के तहत प्रवेश दिया जाएगा।

विद्यार्थियों, शिक्षकों और माता-पिता को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, यह सबके लिए बहुत गर्व और संतोष का पल है। विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत के साथ-साथ उनका मार्गदर्शन करने वाले माता-पिता और शिक्षकों का योगदान भी उतना ही सराहनीय है। यह ऐतिहासिक दिन है क्योंकि राज्य भर से बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी यहाँ इकट्ठे हुए हैं।

शीर्ष विद्यार्थियों के सम्मान को गर्व की बात बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ऐसे युवाओं का सम्मान करना राज्य सरकार का फर्ज है और विद्यार्थियों में विश्वास पैदा करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि वे कल के नेता हैं। जीवन में सफलता पाने के लिए आपको अपने मनपसंद क्षेत्रों में रोल मॉडलों को ध्यान से चुनना चाहिए।

विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उन्हें नम्र रहने और कड़ी मेहनत में विश्वास रखने की अपील की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार स्कूल स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अथक मेहनत कर रही है और पंजाब में शिक्षा क्रांति की शुरूआत की है, जिससे सामाजिक-आर्थिक खाई को पाटने और विद्यार्थियों के जीवन को बदलने में मदद मिली है।

शिक्षा को पंजाब सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे में बड़े सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, पंजाब पूरे देश में शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल के रूप में उभरा है। पंजाबी हमेशा आगे रहे हैं और हर क्षेत्र में अग्रणी रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर शीर्ष रहे तीन विद्यार्थियों को 50-50 हजार रुपए के नकद इनाम से सम्मानित भी किया। सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जैतो (फरीदकोट) की तमन्ना ने 600 में से 600 अंक प्राप्त करके पहला स्थान हासिल किया, सरकारी मिडिल स्कूल, अड़कवास (संगरूर) की जसप्रीत कौर ने 598 अंक प्राप्त करके दूसरा स्थान हासिल किया और संत मोहन दास मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कोट सुखिया (फरीदकोट) की जश्नदीप कौर ने 598 अंक प्राप्त करके तीसरा स्थान हासिल किया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गर्व के साथ कहा कि ये तीनों विद्यार्थी प्रांतीय और राष्ट्रीय स्तर की एथलीट भी हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से बातचीत के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी आकांक्षाएं साझा की और व्यक्तिगत रूप से सम्मानित होने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वे आम पृष्ठभूमि से आते हैं और कड़ी मेहनत, समर्पण तथा सरकार के सहयोग से अपने सपनों को साकार करने के लिए दृढ़ हैं।

भगवंत मान सरकार सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क में क्रांतिकारी बदलाव के लिए पी.आर.टी.सी. और पनबस में 1,265 बसें करेगी शामिल: हरपाल सिंह चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा मजबूत और सुलभ सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, राज्य के वित्त एवं परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज राज्य के परिवहन नेटवर्क के बड़े विस्तार की घोषणा की। उन्होंने बताया कि सरकार पेप्सू रोड़ ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (पी.आर.टी.सी.) में 659 बसें और पनबस में 606 बसों का बड़ा बेड़ा शामिल करने जा रही है।

परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि हाल ही में किलोमीटर स्कीम के तहत 250 बसें बेड़े में शामिल की गई हैं। उन्होंने कहा, राज्य के भीतर अधिकतम रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से यह पहल विशेष रूप से पंजाब के निवासियों को समर्पित थी। इस योजना के तहत बस मालिकों (निजी व्यक्तियों) को अपने वाहनों को अपनी पसंद के अनुसार तैयार कराने की अनुमति दी गई, बशर्ते वे सरकारी मानकों और सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करें।

पी.आर.टी.सी. के लिए 659 बसों के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु विभाग केवल किलोमीटर स्कीम तक सीमित नहीं है। मंत्री ने बताया कि क्षेत्रीय परिवहन ढांचे के व्यापक आधुनिकीकरण के तहत पी.आर.टी.सी. वर्तमान में 100 मिनी बसों और 309 अन्य मानक बसों की खरीद के लिए सक्रिय टेंडर प्रक्रिया में है।

पनबस के लिए निर्धारित 606 बसों का विवरण देते हुए मंत्री ने कहा कि एक सुनियोजित खरीद योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा, 387 बसों को सीधे पनबस के सामान्य बेड़े में शामिल किया जाएगा, ताकि विभिन्न रूटों पर बढ़ती मांग को तुरंत पूरा किया जा सके। शेष बसें किलोमीटर स्कीम के तहत जोड़ी जाएंगी, जिससे संचालन दक्षता और रूट कवरेज में और सुधार होगा।

उन्होंने आगे बताया, इस चरण में 19 पनबस वोल्वो बसें और 100 एचवीएसी बसें शामिल की जाएंगी, जिससे यात्रियों को अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। इसके अलावा किलोमीटर स्कीम के तहत 100 सामान्य बसों के शामिल होने से कुल नई पनबस बसों की संख्या 606 हो जाएगी।

वित्त एवं परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पी.आर.टी.सी. और पनबस दोनों के बेड़े में यह ऐतिहासिक विस्तार पूरे पंजाब में कनेक्टिविटी को काफी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि नई बसों के शामिल होने से यात्रियों को अधिक आरामदायक, भरोसेमंद और सुलभ यात्रा सुविधा मिलेगी, साथ ही उद्यमिता के अवसर बढ़ेंगे और राज्य के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने दुखी परिवारों के साथ साझा किया शोक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू के साथ आज लुधियाना में घटित दुखद वृंदावन नाव हादसे के पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

संजीव अरोड़ा ने हादसे में जान गंवाने वाले राकेश गुलाटी और उनकी पत्नी अंजू गुलाटी के घर तथा मीनू बंसल और उनकी बेटी डिंकी बंसल के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। इस कठिन समय में उन्होंने दुखी परिवारों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति प्रकट की।

मंत्री ने परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर उनका दुख साझा किया। उन्होंने कहा कि कोई भी शब्द अपने प्रियजनों को खोने के दर्द को कम नहीं कर सकता और वे केवल एक मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर उनके साथ खड़े होने आए हैं। उन्होंने इस दुखद घटना के पीछे रही लापरवाही की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि लापरवाही का परिणाम है और नाव के संचालन से जुड़े लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने उच्चस्तरीय और समयबद्ध जांच की मांग करते हुए कहा कि जिम्मेदार लोगों को कड़ी कानूनी कार्रवाई का सामना करना होगा और वे अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकेंगे।

संजीव अरोड़ा ने आगे कहा कि पंजाब सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समन्वय कर पीड़ित परिवारों को जल्द न्याय दिलाने के लिए प्रयास करेगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने परिवारों को सरकार और अपनी ओर से हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया और कहा कि वे किसी भी समय उनसे संपर्क कर सकते हैं।

इस मौके पर मौजूद विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू ने भी मंत्री के विचारों का समर्थन किया और स्थानीय स्तर पर हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

उल्लेखनीय है कि रविवार को मीनू बंसल की बेटी डिंकी बंसल का शव भी यमुना रीवर से बरामद किया गया था। उनके पार्थिव शरीर के देर रात तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

फेज 3बी1 में विशाल मुफ्त स्वास्थ्य कैंप: 105 मरीजों की जांच, 175 लोगों को मिले हेल्थ कार्ड

मोहाली। जन सेवा के जज्बे के साथ मोहाली के फेज 3बी1 में आज एक विशाल मुफ्त स्वास्थ्य कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस कैंप के माध्यम से न केवल लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान की गई, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को भी बढ़ाया गया। आम आदमी पार्टी पंजाब के जनरल सचिव और पंजाब जल सप्लाई एवं सीवरेज बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सन्नी सिंह आहलूवालिया की अगुवाई में लगाए गए इस कैंप के दौरान 105 मरीजों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें आवश्यकता अनुसार मुफ्त दवाइयां भी दी गईं। कैंप में मल्टी-स्पेशलिटी सेवाएं उपलब्ध करवाई गईं, जिनमें दांतों की जांच और इलाज (स्केलिंग, फिलिंग, दांत निकालना), शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच, जोड़ों के दर्द और महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित विशेष स्क्रीनिंग शामिल रही। इसके अलावा विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों को स्वस्थ जीवनशैली और बीमारियों से बचाव के लिए सलाह भी दी गई। कैंप के दौरान लोगों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में भी जागरूक किया गया। ह्यमुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजनाह्ल के तहत 175 लाभार्थियों के हेल्थ कार्ड मौके पर ही बनाए गए, जिससे उन्हें सरकारी और निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा। यह योजना खासतौर पर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है।

दुनिया की सबसे बड़ी परफ्यूम वॉल वेसेंस लक्स मोहाली में हुई लॉन्च

मोहाली। 12 अप्रैल को मोहाली में एक सपना हकीकत बना, जब वेसेंस लक्स का लॉन्च हुआ। अब यह जगह दुनिया की सबसे बड़ी परफ्यूम वॉल का घर बन गई है, जहां 3,000 से ज्यादा परफ्यूम की बोतलें मौजूद हैं। मोहाली सिटी सेंटर में स्थित यह स्टोर एक ही छत के नीचे 3,000+ परफ्यूम्स को लेकर आया है, जहां खुशबू पसंद करने वाले लोग नए-नए फ्रेगरेंस को एक्सप्लोर कर सकते हैं, उन्हें खोज सकते हैं और अपनी पसंद की खुशबू ढूंढ सकते हैं। इस लॉन्च का उद्घाटन बॉलीवुड अभिनेता अमित साध ने किया। उन्होंने ब्रांड के खास अनुभव परफ्यूम वॉल का अनावरण किया, जो अपने तरह का अनोखा कॉन्सेप्ट है और परफ्यूम चुनने के अनुभव को सिर्फ खरीदारी नहीं, बल्कि एक यादगार सफर बना देता है। लेकिन वेसेंस लक्स के पीछे काम करने वाले लोगों के लिए यह स्टोर सिर्फ एक रिटेल स्पेस नहीं है। लॉन्च के मौके पर होपस्टोन अड्वाइजरी प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर, डॉ. वरुण सिंगला ने कहा, वेसेंस लक्स एक सरल सोच पर बना है झ्र कि खुशबू सिर्फ एक लग्जरी नहीं, बल्कि खुद को व्यक्त करने का एक तरीका है। हमारा उद्देश्य एक ऐसी जगह बनाना है, जहाँ लोग हजारों खुशबुओं को एक्सप्लोर कर सकें और अपनी पसंद की वो खुशबू खोज सकें, जो उन्हें सच में महसूस हो। मोहाली सिटी सेंटर में फ्लैगशिप स्टोर के साथ-साथ, ब्रांड ने मोहाली वॉक पीवीआर में भी एक और आउटलेट खोला है।

गैंगस्टरों ते वार का 82वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 522 स्थानों पर छापेमारी; 225 गिरफ्तार

- पुलिस टीमों ने 78 व्यक्तियों के खिलाफ की निवारक कार्रवाई, 89 को पूछताछ के बाद किया रिहा
- लोग गैंगस्टर विरोधी हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से दे सकते हैं जानकारी
- युद्ध नशों विरूद्ध के 407वें दिन 7.2 किलोग्राम हेरोइन सहित 91 नशा तस्कर काबू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के तहत शुरू की गई निर्णायक ह्यगैंगस्टरों ते वारह्ल मुहिम के 82वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 522 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसे 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा शुरू किया गया था। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं।

82वें दिन पुलिस टीमों ने दो हथियार बरामद करने के बाद 225 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 20,643 हो गई है।

इसके अलावा 78 व्यक्तियों के खिलाफ निवारक कार्रवाई की गई, जबकि 89 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 9 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया।

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचनाएं भी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशों विरूद्ध के 407वें दिन भी कार्रवाई जारी रखते हुए 91 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 7.2 किलोग्राम हेरोइन, 256 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 2020 रुपये की ड्रग मनी बरामद की।

इसके साथ ही मात्र 407 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 58,479 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 17 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए तैयार भी किया है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के युवराज ऋषिराज सिंह राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष नियुक्त

चंडीगढ़। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन आज सम्पन्न हो गया। दो दिवसीय अधिवेशन में क्षत्रिय समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई। अधिवेशन के दौरान मथुरा से तीन बार सांसद रह चुके राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर राजा मानवेन्द्र सिंह ने युवराज ऋषिराज सिंह को राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की। इसके साथ ही टिक्का शिवेंद्र पाल कुटलैहड़ को यूथ विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष व श्रीमती इंदु तोमर को महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्षा घोषित किया गया। इस मौके विजय सिंह सोनगरा- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, गजेंद्र सिंह राणा - चंडीगढ़ अध्यक्ष, यशपाल राणा-हरियाणा अध्यक्ष, कामनेश धलारिया-चंडीगढ़ सचिव, अमन राम-चंडीगढ़ उपाध्यक्ष, उमेश सिंह राणा-पंजाब युवा अध्यक्ष, साहिल सिंह राठौड़-पंजाब युवा उपाध्यक्ष और कुँवर नीरज सिंह सहित देश भर से क्षत्रिय समाज के लोगों ने बढचढ कर भाग लिया। इस आयोजन में सभी 24 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिसमें युवा और महिला भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर राजा मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि दो दिवसीय अधिवेशन में क्षत्रिय समाज जे जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि अधिवेशन के मुख्य एजेंडे जिन पर गंभीरता और विस्तार चर्चा हुई, वो इस प्रकार से हैं:- जातिगत आरक्षण को समाप्त कर आर्थिक आधार पर किया जाए, एट्रोसिटी एक्ट को समाप्त किया जाए, महाराणा प्रताप जी की जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश के लिए भारत सरकार से मंजूरी दिलवाना, समाज के गरीब छात्र-छात्राओं को शिक्षा के लिए मदद करना, भारत सरकार से लगातार पत्राचार कर वक्फ्ह कानून में पुनः विचार करने का आग्रह करना, क्षत्रिय एकता, सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए कार्य करना।

ढकोली में बचपन प्ले स्कूल का भव्य शुभारंभ

ढकोली/जीरकपुर। गुरजीवन विहार, स्ट्रीट नंबर 2 में स्थित बचपन प्ले स्कूल का रविवार को भव्य उद्घाटन समारोह बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि शमशेर सिंह ने रिबन काटकर स्कूल का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर क्षेत्र के गणमान्य लोग, अभिभावक और स्थानीय निवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि बचपन प्ले स्कूल में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आधुनिक शिक्षा पद्धति, सुरक्षित वातावरण और गतिविधि-आधारित लर्निंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चे खेल-खेल में सीख सकें। उद्घाटन समारोह के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा से सभी का दिल जीत लिया।

तख्त श्री दमदमा साहिब पर मत्था टेकने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उप-मंडलीय परिसर का किया उद्घाटन

बठिंडा के तलवंडी साबो में बड़ा प्रशासनिक सुधार, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक ही छत के नीचे रजिस्ट्री से लेकर रिकॉर्ड रूम तक की सुविधाओं से लैस आधुनिक उप-मंडलीय परिसर लोगों को किया समर्पित

सिटी दर्पण संवाददाता
तलवंडी साबो

पवित्र नगरी तलवंडी साबो में बड़ा प्रशासनिक सुधार करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अत्याधुनिक उप-मंडलीय परिसर का उद्घाटन किया। यह परिसर 40 साल पुरानी असुरक्षित इमारत के स्थान पर लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है, जो आधुनिक और नागरिक-केंद्रित सुविधाओं से लैस है। तख्त श्री दमदमा साहिब पर मत्था टेकने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने तीन मंजिला परिसर को लोगों को समर्पित किया और कहा कि इस नई इमारत से रजिस्ट्री से लेकर रिकॉर्ड रूम तक सभी आवश्यक सरकारी सेवाएं हाई-स्पीड डिजिटल कनेक्टिविटी के साथ एक ही छत के नीचे प्रदान की जाएंगी।

इस परिसर में 28 कमरे बनाए गए हैं, जिनमें आसान रजिस्ट्री, एसडीएम और तहसीलदार अदालतें, फर्द केंद्र, खजाना कार्यालय, रिकॉर्ड रूम और अन्य मुख्य सुविधाएं शामिल हैं। इसके साथ ही एक लिफ्ट और आधुनिक बुनियादी ढांचा सुनिश्चित किया गया है ताकि कुशलता के साथ-साथ बेहतर जनसुविधाएं प्रदान की जा सकें। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली इमारत पूरीतरह से खंडहर बन चुकी थी, जो जान-माल के लिए बड़ा खतरा बनी हुई थी। उन्होंने कहा कि नया परिसर तलवंडी साबो और आसपास के गांवों के निवासियों के लिए सेवाओं में पारदर्शिता और तेजी लाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आज तलवंडी साबो की पवित्र धरती पर नए उप-मंडलीय परिसर का उद्घाटन करके लोगों को समर्पित किया गया। 40 साल पुरानी खंडहर इमारत के स्थान पर लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से यह आधुनिक परिसर बनाया गया है।

उन्होंने कहा, इस तीन मंजिला इमारत में 28 कमरे हैं, जहां सभी आवश्यक सुविधाएं जैसे एसडीएम अदालत, तहसीलदार अदालत, फर्द केंद्र, रिकॉर्ड रूम, खजाना कार्यालय और कैंटीन एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। हर कार्यालय को हाई-स्पीड इंटरनेट से लैस किया गया है और लोगों की सुविधा के लिए एक लिफ्ट की भी व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा, यह परिसर तलवंडी साबो और आसपास के गांवों के लोगों के लिए वरदान साबित होगा, जिससे सरकारी सेवाओं में तेजी और पारदर्शिता आएगी और पहुंच में वृद्धि होगी। निरंतर विकास के साथ हम लोगों की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की चरण-छोह प्राप्त पवित्र ऐतिहासिक धरती पर नया बना उप-मंडलीय परिसर लोगों को समर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह प्रोजेक्ट आधुनिक, नागरिक-केंद्रित बुनियादी ढांचा प्रदान करके जमीनी स्तर पर प्रशासन को और मजबूत करने के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछली उप-मंडलीय परिसर की इमारत लगभग 40 साल पुरानी थी और बहुत ही जर्जर हालत में थी। नए परिसर के निर्माण पर 6 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और इसका कुल क्षेत्रफल 3,000 वर्ग फुट है।

उन्होंने कहा, तीन मंजिला इमारत में 28 कमरे हैं और इसमें आसान पंजीकरण के लिए कार्यालय, एसडीएम अदालत, तहसीलदार अदालत, फर्द केंद्र, रिकॉर्ड रूम, खजाना कार्यालय और एक कैंटीन जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

आधुनिक बुनियादी ढांचे पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, सभी कार्यालयों को हाई-स्पीड इंटरनेट से लैस किया गया है और परिसर में लिफ्ट की सुविधा भी है। उन्होंने आगे कहा कि लोगों की सुविधा के लिए ऐसे आधुनिक तहसील परिसर पूरे पंजाब में बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने कभी भी ऐसे लोक-केंद्रित प्रयासों की ओर ध्यान नहीं दिया था।

पिछली सरकारों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पहले, सूबे की बागडोर गलत हाथों में थी, जिसके कारण पंजाब को बहुत नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, पदभार संभालने के बाद हमारी सरकार ने जनता के महत्व वाले कार्यों को प्राथमिकता दी। संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि ये इमारतें लोगों की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आशा जताई कि नया उप-मंडलीय परिसर तलवंडी साबो और आसपास के गांवों के निवासियों को एक ही छत के नीचे तेज, पारदर्शी और निर्बाध सेवाएं प्रदान करके बड़ा लाभ पहुंचाएगा।

उन्होंने आगे कहा, जगत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 बेअदबी के दोषी पाए जाने वालों के लिए आजीवन कारावास सहित कठोर सजाओं का प्रावधान करता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने विश्वास व्यक्त किया कि यह कानून एक मजबूत निवारक के रूप में कार्य करेगा और पूरे पंजाब में शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने में सहायक सिद्ध होगा।

इस्लामाबाद वार्ता विफल, ईरान से अमेरिका का नहीं हो सका समझौता

उपराष्ट्रपति वेंस स्वदेश रवाना, परमाणु हथियार और होर्मुज जलडमरूमध्य पर फंसा पेंच

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद शांति वार्ता विफल हो गई। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल के बीच करीब 21 घंटे तक बातचीत हुई। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान से स्वदेश रवाना हो गए हैं। पहले यह कहा गया था कि आज भी बातचीत होगी। अमेरिका रवाना होने से पहले वेंस ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बुरी खबर यह है कि हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए। उनकी नजर में यह अमेरिका के मुकाबले ईरान के लिए कहीं ज्यादा बुरी खबर है। इसलिए, वह बिना किसी समझौते के अमेरिका लौट रहे हैं।

फोटोः हि.स.

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस रविवार को स्थानीय समय अनुसार सुबह 7:09 बजे एयर फोर्स टू में सवार होकर पाकिस्तान से अमेरिका के लिए रवाना हो गए। उन्होंने ईरानी अधिकारियों के साथ 21 घंटे तक चली बातचीत पूरी करने के बाद यह कदम उठाया। यह बातचीत बिना किसी समझौते पर पहुंचे ही समाप्त हो गई। जेंस ने रविवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि ईरान ने शर्तें स्वीकार न करने का फैसला किया है। अमेरिका के ऑपरेशन एपिक फ़्यूरी' शुरू किए जाने के एक महीने से भी अधिक समय बाद उपराष्ट्रपति शनिवार सुबह ईरान के साथ बातचीत का नेतृत्व करने के लिए पाकिस्तान पहुंचे थे। डॉन अखबार के अनुसार, वेंस ने दोनों देशों के बीच हुई सीधी बातचीत के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। वेंस ने कहा, हम पिछले 21 घंटों से इस पर काम कर रहे हैं और हमने गंभीर चर्चा की हैं। बुरी खबर यह है कि हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, हमने यह साफ कर दिया है कि हमारे लक्ष्य क्या हैं। हमने यह भी साफ कर दिया कि ईरान की किन बातों को हम मानने को तैयार हैं। मगर ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने हमारी शर्तें मानने से इनकार कर दिया है। वेंस संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ की उन्होंने बेहतरीन मेजबान बताया।

उन्होंने यह भी साफ किया कि मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान ने बढ़िया काम किया और सचमुच मदद करने की कोशिश की, ताकि हमारे बीच की खाई पट सके और कोई समझौता हो सके। जब वेंस से पूछा गया कि ईरान ने किन बातों को अस्वीकार किया, तो उन्होंने में कहा, मैं सभी बातों पर नहीं जाऊंगा, क्योंकि मैं 21 घंटे तक निजी तौर पर बातचीत करने के बाद अब सार्वजनिक रूप से बातचीत नहीं करना चाहता।

ईरान का आरोप- अमेरिकी मीडिया अपना रहा दोहरा रवैया, बयानबाजी पर उठाए सवाल

तेहरान। ईरान ने अमेरिकी मीडिया पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि एक ओर अमेरिका ईरान पर ईमानदारी की कमी का आरोप लगाता है, दूसरी ओर कुछ अमेरिकी मंचों पर ईरानी प्रतिनिधियों के खिलाफ हिंसक बयान सामने आ रहे हैं। बघाई ने अपने बयान में द वॉशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक लेख का हवाला देते हुए कहा कि उसमें यह संकेत दिया गया था कि ईरानी नेताओं की सुरक्षा किसी समझौते पर निर्भर हो सकती है। उन्होंने इस तरह की टिप्पणी को गंभीर बताते हुए सवाल उठाया कि क्या यह दबाव बनाने या धमकी देने का प्रयास नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बयानबाजी कूटनीतिक वार्ताओं के माहौल को प्रभावित करती है और इससे वार्ता की प्रक्रिया को कमजोर कर सकती है। बघाई के अनुसार, हिंसा या भय का संकेत देकर बातचीत को प्रभावित करना अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं है। ईरान का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच विभिन्न मुद्दों पर बातचीत जारी है। दोनों देशों के बीच चल रही वार्ताओं को लेकर वैश्विक स्तर पर भी नजरें टिकी हुई हैं।

नशीले कैप्सूल के साथ पकड़ा गया आरोपित आबकारी कस्टडी से फरार

सीसीटीवी फुटेज आया सामने

एजेंसी (हि.स.)
सूरजपुर

फोटोः हि.स.

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में आबकारी विभाग की कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार एक आरोपित के कस्टडी से फरार होने का मामला सामने आया है। सहायक आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के मुताबिक, शनिवार को अंबिकापुर स्थित आबकारी उड़नदस्ता कार्यालय को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बिश्रामपुर आईटीआई कॉलोनी निवासी भोले अपने घर से नशीले कैप्सूल बेच रहा है। सूचना की पुष्टि होने पर टीम ने उसके घर दबिश दी, जहां से 295 नग नशीले टैबलेट और कैप्सूल बरामद किए गए और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपित भोले को आबकारी नियंत्रण कक्ष सूरजपुर लाया गया, जहां कागजी कार्रवाई के दौरान वह पानी पीने के बहाने बाहर निकलकर कर्मचारियों को चकमा देते हुए फरार हो गया। मौके पर मौजूद आरक्षकों ने उसका पीछा किया, लेकिन वह पकड़ में नहीं आ सका। घटना के बाद सूरजपुर थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और उसकी तलाश जारी है। इसी दौरान आबकारी टीम को पूर्व में दर्ज एक अन्य मामले में फरार चल रहे आरोपित मोहम्मद शहजाद उर्फ रिंकू के घर पर होने की सूचना मिली। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि 1 मार्च को तिलसिंवा ग्राउंड में 600 नग नशीले कैप्सूल के साथ पकड़े गए मामले में वह फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। सूरजपुर एसडीओपी अभिषेक पैकरा ने भी पुष्टि करते हुए बताया कि बिश्रामपुर में आबकारी विभाग की रेड के दौरान भोला के पास से 295 नग विभिन्न कंपनियों के नशीले टैबलेट जब्त किए गए थे। कार्रवाई के दौरान ही आरोपित कर्मचारियों को धोखा देकर फरार हो गया, जिस पर मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपित के भागने की घटना कैद हुई है। मामले में लापरवाही बरतने वाले आरक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है। वहीं, आरोपित के परिजनों ने आश्वासन दिया है कि वह घर लौटने पर उसे सरेंडर कराएंगे। फिलहाल पुलिस और आबकारी विभाग की टीम फरार आरोपित की तलाश में जुटी हुई है।

धमतरी के बठेना वार्ड में खुली निकासी नाली बनी जानलेवा समस्या

एजेंसी (हि.स.)
धमतरी

शहर के बठेना वार्ड में हाल ही में निर्मित नालियों को स्लैब से नहीं ढकने के कारण वार्डवासियों में भारी नाराजगी है। खुली नालियों से उठ रही बदबू, मच्छरों का प्रकोप और हादसों का खतरा लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोग परेशान हैं। वार्डवासियों ने शासन के तय मापदंडों के तहत नाली निर्माण की मांग की है। वार्ड की समस्या को लेकर बीते दिनों वार्ड की महिलाएं नगर निगम पहुंचीं थी और महापौर रामू रोहरा को अपनी पीड़ा से अवगत कराया।

महापौर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन स्थिति जस की तस है। स्थानीय महिला सोहद्राबाई, कुंती बाई ने रविवार को बताया कि नाली निर्माण तो कर दिया गया है, लेकिन आवश्यक स्थानों पर स्लैब नहीं लगाया गया। इससे नालियां खुली रह गई हैं, जिनसे तेज बदबू घरों तक पहुंच रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। नालियों

फोटोः हि.स.

से कीड़े-मकोड़े घरों में घुस रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी उत्पन्न हो रहे हैं। प्रमिला, धनेश्वरी, लीला बाई, चंद्रिका बाई सहित अन्य ने बताया कि निर्माण कार्य में शासन के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि खुली नालियां दुर्घटनाओं को भी न्योता दे रही हैं। इसी तरह की समस्या सोरिद वार्ड के काली मंदिर- सांई मंदिर गली में भी देखने को मिल रही है। यहां भी नाली निर्माण के बाद स्लैब नहीं लगाया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्षभर में कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को भारत भ्रमण का निमंत्रण

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को भारत भ्रमण को निमंत्रण मिला है। विदेश मंत्री शिशिर खनाल के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण को शाह ने स्वीकार कर लिया है। हिन्द महासागर सम्मेलन में सहभागी होने के लिए इस समय मॉरिशस में मौजूद विदेश मंत्री खनाल और भारत के विदेशमंत्री के डॉ. एस जयशंकर के बीच हुई

फोटोः हि.स.

साइडलाइन मुलाकात में भी शाह की होने वाली भारत यात्रा पर चर्चा हुई। मॉरीशस से नेपाल के विदेश मंत्री खनाल ने फोन पर बताया कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने शाह को भेजे शुभकामना संदेश में भारत भ्रमण पर आने का निमंत्रण। नेपाल सरकार ने उसे स्वीकार कर लिया है लेकिन भ्रमण की तिथि अभी तय नहीं हुई है। इस समय दोनों देशों के विदेश मंत्रालय बालेन्द्र शाह के भ्रमण को लेकर तैयारी कर रहे हैं। नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई ने कहा कि भारत और नेपाल सरकार के बीच भ्रमण के एजेंडा को लेकर बातचीत जारी है। भारत के विदेश मंत्रालय और काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों के साथ लगातार बैठक कर भ्रमण के दौरान होने वाले समझौते को लेकर सहमति बनाने का प्रयास चल रहा है।

नेपाल ने संयुक्त राष्ट्र में बहुपक्षवाद की प्रतिबद्धता दोहराई

काठमांडू। नेपाल सरकार ने दोहराया है कि देश हमेशा बहुपक्षवाद के प्रति दृढ़ रूप से प्रतिबद्ध रहा है। वैश्विक समुदाय के समक्ष अंतरराष्ट्रीय एकजुटता के प्रति नेपाल ने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय में नेपाल के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में नेपाल ने वैश्विक शांति स्थापना में अपने दीर्घकालिक योगदान को उजागर किया। इस कार्यक्रम ने संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में

नेपाल सेना की लगातार 68 वर्षों की सेवा को भी चिह्नित किया। यूएन में नेपाल मिशन ने कहा कि वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का समाधान संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर बहुपक्षवाद को मजबूत करने से ही संभव है। संयुक्त राष्ट्र में नेपाल के स्थायी प्रतिनिधि लोक बहादुर थापा ने कहा कि नेपाली सेना वैश्विक शांति और सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 1,60,000 से अधिक नेपाली शांति सैनिक विभिन्न संयुक्त राष्ट्र मिशनों में सेवा दे चुके हैं, जो बहुपक्षवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति नेपाल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव ज्यां-पियरे लैक्रोआ ने नेपाली शांति सैनिकों की समर्पण भावना और पेशेवरता की सराहना की और वैश्विक शांति अभियानों में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र में विभिन्न देशों के राजदूत, राजनयिक, सैन्य एवं पुलिस सलाहकार, वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र अधिकारी, नेपाल के मित्र तथा पूर्व सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

गोरश्वर के रौमारी गांव में साधुओं पर हमले के बाद तनाव

गोरश्वर (असम)। गोरश्वर थाना अंतर्गत नंबर 2 रौमारी गांव में चरक पूजा के लिए चंदा एकत्र करने गए सात साधुओं पर कथित हमले के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस हमले का आरोप चान महमूद अली और उनके पुत्र आजिम अली पर लगाया गया है। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों के एक समूह ने आरोपितों के घरों में आग लगा दी। आगजनी की इस घटना में दो घर पूरी तरह जलकर राख हो गए, वहीं एक दोपहिया वाहन भी आग की चपेट में आकर नष्ट हो गया। घटना की सूचना मिलते ही तामुलपुर और गोरश्वर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल दोनों आरोपित फरार बताए जा रहे हैं और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नेशनल हाईवे पर दर्दनाक हादसे, दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में तीन युवक गंभीर

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-130 पर बीती देर रात करीब 1 बजे हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। सलका मोड़ से डूमरडीह सोसायटी के बीच हुए इन हादसों में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहली घटना में एक बाइक सवार दो युवक मवेशी से टकरा गए, जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। वहीं दूसरी घटना में एक अन्य बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर चोटों का शिकार हो गया। हादसे में कोसगा निवासी प्रमोद और नरकालो निवासी दिनेश (पिता शुकुल) डीलक्स बाइक क्रमांक सीजी 15 डीके 1303 पर सवार थे, जबकि ग्राम मांजा निवासी खीरू बरगाह दूसरी बाइक पर सवार था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय युवक राहुल सिंह, उदयपुर थाना के प्रधान आरक्षक संजय नागेश, आरक्षक प्रवीण सहित अन्य स्टाफ मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उदयपुर में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अंबिकापुर रेफर कर दिया है। मौके पर मिले मोबाइल फोन के जरिए परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसे के बाद क्षेत्र में देर रात तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

कल्याणेश्वरी नाका पर लाखों रुपये की अवैध लॉटरी टिकट पकड़ी गयी

आसनसोल। आसनसोल-दुगार्पुर पुलिस कमिश्नरेट ने एक बार फिर अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध लॉटरी की बड़ी खेप बरामद की है। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार रात सलानपुर थाना क्षेत्र के कल्याणेश्वरी नाका प्वाइंट पर एक मिनीबस से झारखंड की मिनीबस मैथन के कालीपहाड़ी इलाके से आसनसोल की ओर आ रही थी, जिसे नाका चेकिंग के दौरान रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन से पांच बड़े बंडलों में भरी अवैध लॉटरी टिकटें मिलीं। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, इन टिकटों की कीमत लाखों रुपये में हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, इस लॉटरी को आसनसोल और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में खपाने की तैयारी थी।जांच के दौरान एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि गुड्डू खान और दीपक तिवारी झारखंड से अवैध लॉटरी की सप्लाई करते थे, जबकि पल्टू सिंह स्थानीय स्तर पर इसके वितरण की जिम्मेदारी संभालता था। यह नेटवर्क जामुड़िया, रानीगंज और दुगार्पुर तक फैला हुआ बताया जा रहा है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस की कार्यशैली को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं। बस चालक और खलासी से पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया, वहीं मौके पर मौजूद पत्रकारों को जब्त लॉटरी की तस्वीर लेने से रोक दिया गया। ड्यूटी पर तैनात अधिकारी के इस रवैये ने पारदर्शिता को लेकर चर्चा को जन्म दे दिया है। उल्लेखनीय है कि झारखंड और पश्चिम बंगाल की सीमा पर अवैध लॉटरी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। बेरोजगारी और आसान कमाई के लालच में कई लोग इस तरह के नेटवर्क से जुड़ रहे हैं।

'रन फॉर अवेयरनेस' रैली को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी (हि.स.)
हल्द्वानी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को हल्द्वानी में नशामुक्त उत्तराखंड अभियान के तहत आयोजित 'रन फॉर अवेयरनेस' रैली का शुभारंभ किया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में युवा, छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फोटोः हि.स.

एमबी इंटर कॉलेज मैदान से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने से पहले मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि आज की यह दौड़ मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि एक स्वस्थ, समृद्ध और नशे से मुक्त उत्तराखंड के संकल्प की दौड़ है। जब आप सभी यहां से कदम आगे बढ़ाएंगे, तो यह संदेश पूरे प्रदेश में जाना चाहिए कि उत्तराखंड का युवा अब नशे को 'ना' कह रहा है और जीवन को 'हाँ' कह रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा एक 'साइलेंट वार' की तरह फैल रहा है और इसका सबसे बड़ा निशाना हमारी युवा शक्ति है। मजाक-मजाक में युवा नशे की चपेट में आ जाते हैं और वहां से लौटना बहुत मुश्किल हो जाता है। यह न सिर्फ व्यक्ति, बल्कि पूरे परिवार की खुशियों को संकट में डाल देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2020 में शुरू किए गए 'नशा मुक्त भारत अभियान' से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार इस दिशा में मिशन मोड पर काम कर रही है।

वर्ष 2022 में गठित एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा हजारों आरोपियों की गिरफ्तारी और बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की बरामदगी की गई है। साथ ही एडिक्शन ट्रीटमेंट फैसिलिटी (एटीएफ) केंद्रों का संचालन किया जा रहा है और सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी एटीएफ केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए 'दगड़िया क्लब' बनाए गए हैं, जो युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आ'ान किया कि नशे के विरुद्ध यह लड़ाई केवल कानून बनाने से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए समाज की जागरूकता और युवाओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश के कृषि वैज्ञानिक अब्दुर रज्जाक का निधन

ढाका। बांग्लादेश कृषि अनुसंधान परिषद (बीएआरसी) के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. मो. अब्दुर रज्जाक का शनिवार देररात ढाका के बांग्लादेश स्पेशलाइज्ड हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। बीएआरसी ने डॉ. मो. अब्दुर रज्जाक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश कृषि अनुसंधान परिषद ने कहा कि देश ने एक ऐसे विशिष्ट कृषि वैज्ञानिक और

दूरदर्शी नेता को खो दिया है, जिनके योगदान ने देश के कृषि अनुसंधान क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया।परिषद ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए और उनके परिवार को इस अपूरणीय क्षति का सामना करने की शक्ति मिले, इसके लिए प्रार्थना की है। उन्हें बांग्लादेश में फार्मिंग सिस्टम रिसर्च और स्थायी ग्रामीण कृषि विकास के विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं। उन्हें 2013 में अमेरिका की पड्र्यू यूनिवर्सिटी ने प्रतिष्ठित कृषि पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया था।

एसपी ने हत्या मामले में की कार्रवाई, पिंड्राजोरा थाना प्रभारी सहित थाने के सभी 28 पुलिसकर्मी निलंबित

एजेंसी (हि.स.)
बोकारो

बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने जिले के पिण्ड्राजोरा थाना क्षेत्र में हुए पुष्पा महतो अपहरण और हत्या केस में पिंड्राजोरा थाना प्रभारी अभिषेक रंजन सहित थाना के सभी 28 अधिकारियों एवं कर्मियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित होने वालों में थाने में तैनात दस सब इंस्पेक्टर, पांच सहायक अवर निरीक्षक, दो हवलदार व 11 सिपाही शामिल हैं।

युवती पुष्पा महतो के गायब होने की सूचना उसकी मां ने 24 जुलाई, 2025 को दी थी। इस सूचना के बाद भी दसवें दिन चार अगस्त को इस मामले में थानेदार ने प्राथमिकी की थी। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि कांड का खुलासा करने के लिए थाना प्रभारी अभिषेक रंजन की अगुवाई में एक एसआइटी का गठन किया गया था। समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि एसआइटी ने दिए गए निदेर्शों का पूरी तरह से पालन नहीं किया। अनुसंधान

फोटोः हि.स.

के दौरान अभियोजन पक्ष को कमजोर करते हुए आरोपित को लाभ पहुंचाने के उदेश्य से कार्य किया जा रहा था। एसपी ने बताया है कि कांड का तुरंत उद्भेदन करने के लिए सिटी डीएसपी आलोक रंजन की अगुवाई में एक दूसरी एसआइटी बनाई गई। दूसरी एसआइटी ने सिर्फ एक दिन में आरोपित को गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर अपहृत युवती की मौत की गुत्थी सुलझा ली। हड्डी, बाल बरामद किया गया। उस चाकू को भी खोज निकाला गया जिससे युवती की आरोपित ने हत्या की थी। जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपित दिनेश और पुष्पा के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे।

कोलकाता में 650 करोड़ रुपये के कोयला घोटाले में पांच के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय ने 650 करोड़ रुपये के कथित कोयला चोरी और वसूली घोटाले में पांच आरोपितों के खिलाफ कोलकाता की विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने रविवार सुबह एक बयान में यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से दायर आरोपपत्र में चिन्मय मंडल, किरण खान और उनके सहयोगियों के नाम शामिल हैं। यह आरोपपत्र धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत विशेष अदालत में पेश किया गया।

जांच एजेंसी के अनुसार, यह मामला अवैध कोयला खनन, चोरी, अवैध परिवहन, अवैध बिक्री, फर्जी दस्तावेजों के उपयोग और जबरन वसूली से जुड़ा एक संगठित रैकेट है। जांच में यह भी सामने आया है कि कोयले के परिवहन और सिंडिकेट के संचालन को सुचारु रखने के लिए राज्य सरकार के कुछ अधिकारियों और स्थानीय राजनीतिक तत्वों को रिश्वत दी जाती थी। प्रवर्तन

निदेशालय ने इस मामले की जांच 54 प्राथमिकी के आधार पर शुरू की, जो पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर-आसनसोल क्षेत्र के विभिन्न थानों में दर्ज की गई थीं। ये शिकायतें ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस की ओर से दर्ज कराई गई थीं। जांच में पाया गया कि चिन्मय मंडल और किरण खान एक संगठित कोयला सिंडिकेट का हिस्सा थे, जो दुगार्पुर-आसनसोल और आसपास के इलाकों में सक्रिय था। दोनों को दो फरवरी को धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया था। एजेंसी के अनुसार, सिंडिकेट न केवल अवैध तरीके से कोयले का कारोबार कर रहा था, बल्कि वैध डिलीवरी आदेश धारकों, परिवहनकताओं और खरीदारों से व्यवस्थित रूप से वसूली भी करता था।

इतिहास

13 अप्रैल : 1919 का जलियांवाला बाग हत्याकांड

जिसने आजादी की लड़ाई को दी नई दिशा

एजेंसी (हि.स.)

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 13 अप्रैल का दिन एक बेहद दर्दनाक और निर्णायक घटना के रूप में दर्ज है। वर्ष 1919 में इसी दिन जलियांवाला बाग हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। पंजाब के अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में हजारों भारतीय एक

फोटोः हि.स.

शांतिपूर्ण सभा के लिए एकत्र हुए थे। यह स्थान स्वर्ण मंदिर के नजदीक स्थित है। उस समय ब्रिटिश शासन ने रॉलेट एक्ट के विरोध में हो रही सभाओं पर सख्ती बरतनी शुरू कर दी थी।

इसी दौरान ब्रिटिश अधिकारी जनरल डायर ने बिना किसी चेतावनी के निहत्थी भीड़ पर गोलियां चलाने का आदेश दे दिया। संकरे रास्तों से घिरे इस बाग में मौजूद लोगों के पास बचने का कोई रास्ता नहीं था। गोलीबारी शुरू होते ही भगदड़ मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस भयावह घटना में सैकड़ों लोग मारे गए, जबकि हजारों घायल हुए। कई महिलाएं अपने बच्चों के साथ जान बचाने के लिए बाग में मौजूद कुएं में कूद गईं। संकरी निकासी के कारण भगदड़ में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई। इस नरसंहार ने पूरे देश में ब्रिटिश शासन के खिलाफ आक्रोश को और भड़का दिया। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई, जिसने आजादी की लड़ाई को और तेज कर दिया। आज भी 13 अप्रैल को देश इस त्रासदी को श्रद्धांजलि के रूप में याद करता है और उन शहीदों को नमन करता है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

जन्म

1813 - स्वाति तिरुनल - त्रावणकोर, केरल के महाराजा तथा दक्षिण भारतीय कर्नाटक संगीत परंपरा के सर्वोत्कृष्ट संगीतज्ञों में से एक। 1895 - वी. आर. खानोलकर - भारतीय रोग विज्ञानी थे। 1881 - हैरी ग्राहम हैग - भारत में उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत राज्यपाल के पद पर कार्यरत रहे। 1898 - चन्दूलाल शाह - हिन्दी फि ल्मों के प्रसिद्ध निमार्ता-निर्देशक और पटकथा लेखक। 1925 - वर्मा मलिक - भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध गीतकार 1932 - के. पी. सक्सेना - भारतीय व्यंग्यकार व लेखक थे। 1940 - नजमा हेपतुल्ला - प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ और लेखिका। 1975 - ऋतु करीधल - भारत की महिला वैज्ञानिक हैं।

निधन

1963 - बाबू गुलाबराय - भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार, निबन्धकार और व्यंग्यकार। 1973 - बलराज साहनी - फिल्म अभिनेता। 1982 - बी. पी. मंडल - भारतीय राजनीतिक तथा बिहार के मुख्यमंत्री थे। 2021 - बलबीर सिंह जूनियर - भारतीय हॉकी टीम के भूतपूर्व खिलाड़ी थे।

महत्वपूर्ण अवसर

रेल सप्ताह। जलियांवाला बाग हत्याकांड स्मृति दिवस। खालसा पंथ स्थापना दिवस।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1699 - सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की। हर साल इसी दिन बैसाखी का त्यौहार बनाया जाता है। 1919 - जालियाँवाला बाग हत्याकांड। अँग्रेज और गोरखा सैनिकों द्वारा निहत्थी भीड़ पर की गई अंधाधुंध गोलीबारी में चार सौ लोग मारे गए। 1919 - पेरिस में शान्ति सम्मेलन का उद्घाटन; 1919 - बेनिटो मुसोलिनी द्वारा इटैलियन फासिस्ट पार्टी की स्थापना। 1947 - भारत और पाकिस्तान के बीच राजनयिक संबंध स्थापित। 1960 - फ्रांस ने सहारा मरूस्थल में परमाणु बम का परीक्षण किया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बना। 1980 - अमेरिका ने मास्को में हो रहे ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का बहिष्कार किया। 1984 - भारतीय क्रिकेट टीम ने शारजाह में पाकिस्तान को 58 रन से हराकर पहली बार एशिया कप जीता। 1994 - नई दिल्ली में एस्केप का स्वर्ण जयंती सत्र सम्पन्न, विश्व भर के बच्चों के शोषण से संघर्ष हेतु 112 नोबेल पुरस्कार विजेताओं द्वारा 'चाइल्ड राइट वर्ल्डसाइट' संगठन का गठन। 1997 - अमेरिका के युवा गोल्फ खिलाड़ी एल्ड्रिक टाइगर वुड्स ने 21 साल की उम्र में यूएस मास्टर्स चैंपियनशिप जीतकर सबसे कम उम्र में यह खिताबी विजय दर्ज की। जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। 2001 - विमान चालकों के लौटने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका का चीन के प्रति रुख सख्त। 2002 - शांति के प्रति एलटीटीई प्रमुख वी. प्रभाकरण की प्रतिबद्धता का संयुक्त राज्य अमेरिका ने स्वागत किया। 2003 - एल.टी.टी.ई. ने टोकियो सहायता सम्मेलन का बहिष्कार किया। 2004 - एन्टीगुआ में ब्रायन लारा ने इंग्लैंड के विरुद्ध खेलते हुए 400 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। 2005 - विश्वनाथन आनन्द चौथी बार 'विश्व शतरंज चैम्पियन' बने। 2007 - भारत-रूस कूटनीतिक सम्बन्ध के 60 वर्ष पूरे हुए। 2008 - उत्तर प्रदेश के नगर निगम के 18 हजार कर्मचारियों के लिए 50% मंहगाई भत्ते को वेतन में विलय करने को फैसला किया। 2008 - बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने मंत्रिमण्डल का विस्तार किया। 2008 - चीन के लिपोनिंग प्रान्त के हुलुदाओ शहर में एक कोयले की खान में हुए विस्फोट में 14 खदान कर्मियों की मौत। 2010 - दुनिया के लगभग 50 देशों ने अगले चार सालों में संवेदनशील परमाणु सामग्री को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लक्ष्य का संकल्प लिया। 2010 - रूस और अमेरिका ने 68 टन प्लूटोनियम को नष्ट करने के समझौते पर हस्ताक्षर किया। 2010 - गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग ने कंप्यूटर पर हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए इससे जुड़ी सभी समस्याओं का हल एक जगह उपलब्ध करवा दिया है। 2010 - भारत के गृह राज्य मंत्री अजय माकन ने केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा तैयार किए गए 'हिन्दी शब्द संसाधन' के इंटरनेट और पुस्तक दोनों संस्करण का लोकार्पण किया। 2013 - पाकिस्तान के पेशावर में एक बस में धमाके से आठ लोगों की मौत। 2018- 65वें राष्ट्रीय फि ल्म पुरस्कारों की घोषणा हुई। श्रीदेवी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, विनोद खन्ना को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार।

बायर्न म्यूनिख ने रचा इतिहासः बुंडेसलिगा में 54 साल पुराना रिकॉर्ड किया ध्वस्त

एक सत्र में दागे 105 गोल, जमाल मुसियाला और गोरेत्जका ने तोड़ा बेकेनबॉयर-मुलर का रिकॉर्ड

एजेंसी (हि.स.)
बर्लिन

जर्मन फुटबॉल के दिग्गज क्लब बायर्न म्यूनिख ने बुंडेसलिगा में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपने ही दशकों पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। शनिवार को सेंट पाउली के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 5-0 की प्रचंड जीत दर्ज करने के साथ ही बायर्न ने एक सत्र में सर्वाधिक गोल करने का 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल लीग में उनकी बादशाहत को और मजबूत किया है, बल्कि आगामी चैंपियंस लीग मुकाबले के लिए प्रतिद्वंद्वी टीमों को कड़ी चेतावनी भी दी है।

मैच के नौवें मिनट में युवा सितारे जमाल मुसियाला ने हेडर के जरिए शानदार गोल कर बायर्न की 1971-72 की टीम के 101 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की। वह महान टीम जिसमें

बुंडेसलिगा खिताब के करीब बायर्नः 12 अंकों की विशाल बढ़त

फ्रैंज बेकेनबॉयर और गेर्ड मुलर जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल थे, उनका रिकॉर्ड अगले पांच दशकों तक अटूट रहा था। मैच के 53वें मिनट में लियोन गोरेत्जका ने एक शानदार वॉली शॉट के जरिए गेंद को जाल में फंसाया और इस सत्र का 102वां गोल दागकर नया इतिहास रच दिया। इस गोल के साथ ही 1971-72 का वह ऐतिहासिक आंकड़ा आधिकारिक रूप से पीछे छूट गया। इसके तुरंत बाद माइकल ओलिस, निकोलस जैक्सन और राफेल गुएरेइरो ने भी गोल किए, जिससे टीम की कुल गोल संख्या इस सत्र में 105 तक पहुंच गई है। इस रिकॉर्ड तोड़ जीत के साथ बायर्न म्यूनिख ने

फोटोः हि.स.

बुंडेसलिगा अंक तालिका में अपनी पकड़ बेहद मजबूत कर ली है। वर्तमान में बायर्न 29 मैचों में 76 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज है, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद बोरुसिया डॉर्टमुंड के पास 29 मैचों में 64 अंक हैं। प्रतियोगिता में अब केवल पांच दौर के मैच शेष हैं और 12 अंकों की यह भारी बढ़त बायर्न को खिताब के बेहद करीब ले आई है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि विन्सेंट कोम्पनी के मार्गदर्शन में टीम इस सीजन में बेहद आक्रामक फुटबॉल खेल रही है। विशेष रूप से हैरी केन (ल्ं११८ डंल्ली) के टीम में आने के बाद बायर्न की आक्रमण पंक्ति ने यूरोप की सबसे घातक फॉरवर्ड लाइन में अपनी जगह बना ली है। केन ने इस सीजन में अकेले 30 से अधिक गोल किए हैं, जो इस नए रिकॉर्ड की सबसे बड़ी वजहों में से एक है ।यह बड़ी जीत बायर्न के लिए उस समय आई है जब उसे जल्द ही यूईएफए चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में स्पेनिश दिग्गज रियाल मैड्रिड का सामना करना है। 5-0 की इस क्लीन शीट और रिकॉर्ड गोल स्कोरिंग फॉर्म ने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

मैच के बाद टीम के मैनेजर ने कहा, ‍रिकॉर्ड तोड़ना हमेशा विशेष होता है, लेकिन हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण जीत हासिल करना और अपना लय बरकरार रखना था। रियाल मैड्रिड के खिलाफ मैच से पहले यह एक शानदार प्रदर्शन है।

मैच के मुख्य गोल स्कोरर

- जमाल मुसियालाः 9वां मिनट (101वां गोल - बराबरी)।
- लियोन गोरेत्जकाः 53वां मिनट (102वां गोल - नया रिकॉर्ड)।
- माइकल ओलिसः 54वां मिनट (103वां गोल)।
- निकोलस जैक्सनः 78वां मिनट (104वां गोल)।
- राफेल गुएरेइरोः 85वां मिनट (105वां गोल)।

रिकर्व में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कंपाउंड महिला टीम ने स्वर्ण जीतकर साख बचाई

एजेंसी (हि.स.)
पुएबला (मेक्सिको)

फोटोः हि.स.

भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा धामनगांवकर और प्रगति की कंपाउंड महिला तिकड़ी ने शनिवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में अमेरिका को 233-232 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। यह इस सत्र की शुरूआती प्रतियोगिता में भारत का पहला पदक है, जो बड़ी राहत बनकर आया, क्योंकि रिकर्व और पुरुषों के कंपाउंड वर्ग के कोई भी तीरंदाज अपने लक्ष्य को भेद नहीं पाए और खाली हाथ लौटे। भारत की कंपाउंड मिश्रित टीम प्रगति और ओजस प्रवीन देवताले को शनिवार को कांस्य पदक मुकाबले में कड़े संघर्ष के बाद अमेरिका की जोड़ी एलेक्सिस रूइज और स्टीफन हेंसन के हाथों 154-155 से एक अंक से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय टीम का अभियान समाप्त हो गया।

रिकर्व वर्ग का कोई भी प्रतिभागी पदक दौर तक नहीं पहुंच पाया, जिसमें पूर्व ओलंपियन तरुणदीप राय, अतनु दास, धीरज बोम्मादेवरा और दीपिका कुमारी शामिल हैं। भारतीय तीरंदाज प्री-क्वार्टरफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए। दास और धीरज अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों से हारकर बाहर हो गए। पुरुषों की रिकर्व टीम ने 10वीं वरीयता के साथ क्वालिफाई किया था, लेकिन वह पहले ही दौर में स्पेन से सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गई। महिलाओं की रिकर्व टीम ने पहले दौर की बाधा तो पार कर ली, लेकिन क्वार्टरफाइनल में तुर्की के हाथों हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई। महिलाओं के व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में भारत की सबसे सफल तीरंदाज दीपिका दूसरे दौर में ही हार गईं, जबकि अंकिता भगत, सिमरनजीत कौर और कुमकुम मोहद एक दौर और आगे बढ़ीं, लेकिन तीसरे दौर में बाहर हो गईं। भारत की मिश्रित टीम (धीरज और कुमकुम) का प्रदर्शन भी बेहद निराशाजनक रहा, जो ब्राजील से हारकर पहले ही दौर में बाहर हो गई।

महिलाओं की टीम के स्वर्ण पदक के लिए हुआ मुकाबला बेहद रोमांचक और उतार-चढ़ाव भरा रहा।

रॉयल्स के मैनेजर भिंडर ने डगआउट में फोन का उपयोग करके नियमों का उल्लंघन किया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रहे रोमी भिंडर विवादों में घिर गए हैं, क्योंकि टीवी कैमरों ने उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए पकड़ा है। इस घटना को सबसे पहले एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने इंस्टाग्राम पर साझा किया था, लेकिन यह पुष्टि हो गई है कि शुक्रवार को गुवाहाटी में रॉयल्स की छह विकेट से जीत के दौरान भिंडर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे थे। तब युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी उनके बगल में बैठे हुए थे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने भी इसकी पुष्टि की कि भिंडर ने नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा, जी हां, भिंडर ने वास्तव में खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के क्षेत्र (पीएमओए) के प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है क्योंकि

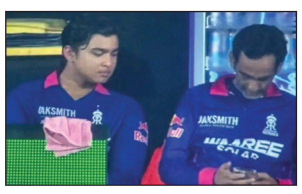

मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन प्रतिबंधित हैं। आईपीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर पीएमओए प्रोटोकॉल 2026 से संबंधित नियम के अनुसार, टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का उपयोग कर सकता है, लेकिन डगआउट में नहीं। भिंडर फ्रेंचाइजी की शुरूआत से ही इससे जुड़े हुए हैं और जानकारों का मानना है कि उन्हें भ्रष्टाचाररोधी प्रोटोकॉल के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए। अधिकारी ने कहा, यह अनजाने में हो सकता है, लेकिन इस पर कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन है। चेतावनी दी जाएगी या प्रतिबंध लगाया जाएगा, इसका फैसला मैच रेफरी और एसीयू (भ्रष्टाचार निरोधक इकाई) की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा।

मेस्सी और 17 वर्षीय मेहमेती ने दिखाया जलवा

मियामी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने आठ अप्रैल, 2009 को जब बार्सिलोना के लिए चैंपियंस लीग मैच में दो गोल किए थे, उसके दो दिन पहले एड्री मेहमेती का जन्म हुआ था। इसके 17 साल बाद मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में शनिवार की रात को जब यह दोनों आमने सामने थे तो गजब का नजारा देखने को मिला। इन दोनों ने अपनी टीमों की तरफ से मैच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेस्सी ने दूसरे हाफ में जर्मन बतेर्रामे के गोल में मदद की, जिससे इंटर मियामी ने अपने नए स्टेडियम में पहली बार बढ़त हासिल की। मेहमेती ने 77वें मिनट में एमएलएस में अपना पहला गोल किया जिससे न्यूयॉर्क रेड बुल्स ने मौजूदा एमएलएस कप चैंपियन इंटर मियामी को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। इंटर मियामी के लिए माटेओ सिल्वेटी ने भी गोल किया, जबकि रेड बुल्स की तरफ से पहला गोल जॉर्ज रुवाल्काबा ने किया था।

राणा पर अंपायर से बहस करने और गायकवाड़ पर धीमी ओवर गति के लिए जुमार्ना

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नितीश राणा पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान चौथे अंपायर के साथ बहस करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। यह घटना 19वें ओवर में घटी जब अंपायर ने ट्रिस्टन स्टब्स के गीले दस्ताने बदलने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद राणा और अंपायर में तीखी बहस हुई। स्टब्स ने उमस भरे वातावरण में अत्यधिक पसीने के कारण अपने दस्ताने बदलने का अनुरोध किया था।

राणा ने आउट होने के बाद चौथे अंपायर से भी बहस की, जिसके लिए उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नितीश राणा पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत का जुमार्ना लगाया गया है

फोटोः हि.स.

और उन्हें आईपीएल के खिलाड़ियों के आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। बयान में कहा गया है, राणा को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो 'मैच के दौरान अभद्र भाषा का उपयोग' करने से संबंधित है। राणा ने अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को मान लिया। इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर इस मैच में धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

चार ओवर में चार विकेट गिरना टर्निंग पॉइंट थाः वेणुगोपाल राव

चेन्नई। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार चार ओवर में चार विकेट गिरना 'टर्निंग पॉइंट' था जिससे उनकी टीम को 23 रन से हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स ने 213 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 4.5 ओवर में बिना किसी नुकसान के 61 रन बनाए थे, लेकिन केएल राहुल (18), पथुम निसांका (41), अक्षर पटेल (01) और समीर रिजवी (06) के आउट होने से स्कोर चार विकेट पर 76 रन हो गया। वेणुगोपाल ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि बल्लेबाजी में हमारी तरफ से कुछ कमी रह गई। चार ओवरों में चार विकेट गंवाना टर्निंग पॉइंट था। इस प्रारूप में लगातार विकेट गंवाने से टीम को नुकसान होता है। दिल्ली कैपिटल्स की फील्डिंग भी अच्छी नहीं रही।

यामल और फेरान के शानदार प्रदर्शन से बार्सिलोना खिताब के करीब

एजेंसी (हि.स.)
बार्सिलोना

लामिन यामल ने एक गोल किया और फेरान टोरेस के दो गोल में मदद की जिससे बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 4-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में खिताब बरकरार रखने की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया। यामल ने फेरान को 10वें और 25वें मिनट में गोल करने में मदद की। इसके बाद इस युवा खिलाड़ी ने 87वें मिनट में गोल करके बार्सिलोना की जीत सुनिश्चित कर दी। बार्सिलोना की तरफ से चौथा गोल 89वें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने किया। बार्सिलोना ने इस जीत से अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड पर अपनी बढ़त नौ अंक कर दी है।

रियाल मैड्रिड ने शुक्रवार को गिरोना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था। बार्सिलोना ने अब 31 मैच में 79 अंक लेकर शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रियाल मैड्रिड के 31 मैच में 70 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर काबिज

है। अभी इस प्रतियोगिता में सात दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं। यामल ने इस सत्र में बार्सिलोना की तरफ से शानदार प्रदर्शन किया है। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने अभी तक सभी प्रतियोगिताओं में 22 गोल किए हैं जबकि 18 गोल करने में मदद की है। यही नहीं यामल ने 18 साल और 272 दिन की उम्र में ला लिगा में 100 मैच खेलने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनकर एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने बोयान क्रकिक के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा, जिन्होंने 20 साल की उम्र में अपना 100वां मैच खेला था। यामल के नाम पर सबसे कम उम्र में ला लिगा में पदार्पण करने और सबसे कम उम्र में गोल करने का रिकॉर्ड भी है।

बैसाखी पर बनाएं ये लोकप्रिय पकवान

हर साल अप्रैल के महीने में मनाया जाने वाला बैसाखी का पर्व परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर स्वादिष्ट व्यंजन बनाने और खाने का अवसर भी देता है। अगर आप इस वर्ष को बैसाखी पर अपने घर पर कुछ पारंपरिक व्यंजन बनाना चाहती हैं तो यह गाइड आपके लिए बेहद उपयोगी है। इस बैसाखी आप घर पर कुछ लोकप्रिय और स्वादिष्ट डिशेज तैयार कर सकती हैं। ये व्यंजन सिर्फ स्वाद में ही नहीं बल्कि त्योहार की खुशियों और सांस्कृतिक महत्व को भी बढ़ाते हैं।

केसरिया चावल

एक कप बासमती चावल को अच्छे से धोकर 20 मिनट पानी में भिगो दें। एक पैन में 2 चमच घी गरम करें और उसमें चावल डालें। आधा कप दूध में केसर घोलकर चावल में मिलाएं। अब 3-4 चम्मच चीनी डालें और हल्की आंच पर चावल को ढककर 10-12 मिनट पकाएं। पकने के बाद स्वाद बढ़ाने के लिए कटे हुए काजू और किशमिश डालें। मीठे और खुशबूदार केसरिया चावल तैयार हैं।

कढ़ी पकोड़ा

दो कप दही को अच्छी तरह फेंट लें और उसमें एक कप बेसन डालकर गाढ़ा घोल तैयार करें। इसमें हल्दी, नमक और लाल मिर्च डालें। छोटे-छोटे पकोड़े बेसन से बना कर गरम तेल में तल लें। अब दही-बेसन के घोल में पकोड़े डालें और 15-20 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। गरमा-गरम परोसें।

कड़ा प्रसाद

एक कप आटा और आधा कप घी लें। कढ़ाई में घी गरम करें और उसमें आटा डालकर मध्यम आंच पर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। अब इसमें एक कप चीनी डालें और अच्छे से मिलाएं। मिश्रण गाढ़ा होने लगे तो इसे धीमी आंच पर लगातार हिलाते रहें ताकि आटा जल न जाए। जब मिश्रण गाढ़ा और चिपचिपा हो जाए, तो गैस बंद कर दें।

पिंडी छोले

भिगोए हुए 1 कप छोले प्रेशर कुकर में उबालें। कढ़ाई में तेल गरम करें, जीरा, अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर भूनें। अब टमाटर और मसाले (हल्दी, धनिया पाउडर, मिर्च पाउडर, गरम मसाला) डालकर 5-7 मिनट पकाएं। उबले छोले डालकर 10 मिनट धीमी आंच पर पकाएं। गरमा-गरम छोले रोटी या भटूरे के साथ परोसें।

घर पर बनाएं बाजार जैसा अमचूर

भारतीय रसोई में खट्टे स्वाद का खास महत्व होता है और इस स्वाद को बढ़ाने के लिए अमचूर पाउडर का इस्तेमाल काफी आम है। चाहे सब्जी हो, चाट हो या दाल थोड़ा सा अमचूर डालते ही स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बाजार में मिलने वाला अमचूर हमेशा शुद्ध नहीं होता? कई बार इसमें मिलावट या प्रिजर्वेटिव्स भी मिलाए जाते हैं, जो सेहत के लिए अच्छे नहीं होते। ऐसे में घर पर बना अमचूर पाउडर एक बेहतर और हेल्दी विकल्प हो सकता है। अच्छी बात यह है कि अमचूर पाउडर बनाना बेहद आसान है और इसके लिए ज्यादा मेहनत या खास सामग्री की जरूरत नहीं होती। सही तरीके से बनाकर आप इसे पूरे साल के लिए स्टोर भी कर सकते हैं। अगर आप भी अपने खाने का स्वाद और सेहत दोनों बेहतर बनाना चाहते हैं, तो यह आसान रेसिपी जरूर अपनाएं। आइए जानते हैं घर पर अमचूर पाउडर बनाने का सही तरीका।

जरूरी सामग्री

घर पर अमचूर पाउडर बनाने के लिए आपको सिर्फ कच्चे आम की जरूरत होती है। ध्यान रखें कि आम ताजे और बिना दाग-धब्बों वाले हों, ताकि पाउडर का स्वाद बेहतर आए।

अमचूर पाउडर बनाने का तरीका

कच्चे आम को काटने और तैयार करने का तरीका
सबसे पहले आम को धोकर छील लें। फिर इन्हें पतले-पतले स्लाइस में काट लें। पतले टुकड़े जल्दी सूखते हैं और पाउडर भी अच्छी क्वालिटी का बनता है।

धूप में सुखाने की सही विधि

कटे हुए आम के टुकड़ों को साफ कपड़े या ट्रे पर फैलाकर तेज धूप में 3-4 दिन तक सुखाएं। ध्यान रखें कि उनमें बिल्कुल भी नमी न रहे, वरना पाउडर जल्दी खराब हो सकता है।

पाउडर बनाने की प्रक्रिया

जब आम के टुकड़े पूरी तरह सूख जाएं, तो उन्हें मिक्सर में डालकर बारीक पीस लें। तैयार पाउडर को छलनी से छान लें, ताकि उसका टेक्सचर स्मूद हो जाए।

स्टोरेज और इस्तेमाल के टिप्स

अमचूर पाउडर को एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें और नमी से दूर रखें। सही तरीके से स्टोर करने पर यह सालभर आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है और इसका स्वाद भी बना रहता है।

नगर निगम आयुक्त विनय कुमार के नेतृत्व में प्रात:कालीन निरीक्षण अभियान से पंचकूला में दिख रहा स्पष्ट सुधार

बारिश की स्थिति के बावजूद जारी रहा निरीक्षण अभियान, कोई बहाना नहीं की कार्यशैली आई नजर

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- लगातार निगरानी और त्वरित कार्रवाई से सफाई व्यवस्था हुई मजबूत
- स्वच्छ, हरित और सुव्यवस्थित पंचकूला के लिए जनभागीदारी की अहम भूमिका- आयुक्त

नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार के नेतृत्व में चल रहे प्रातःकालीन निरीक्षण अभियान से पूरे शहर में सफाई और नागरिक प्रबंधन में स्पष्ट सुधार दिखाई दे रहा है। लगातार जमीनी निगरानी और त्वरित कार्रवाई के चलते सेक्टरों से पुराने कचरे और ह्यकचरा जमा होने वाले स्थानोंह्ल (ऋङ्कढ) को हटाया जा रहा है, जिससे झाडू लगाने और दैनिक सफाई के माध्यम से नियमित रखरखाव का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। 21वें दिन, सेक्टर-4 में हुए निरीक्षण के दौरान घर-घर कचरा संग्रहण, सड़कों की नालियों की सफाई, सड़क मरम्मत, पार्कों के रखरखाव और अस्थायी अतिक्रमणों की समीक्षा की गई।

बारिश के मौसम के बावजूद नगर निगम की टीम ने पूरी निष्ठा के साथ निरीक्षण जारी रखा, जिससे साफ-सफाई और सेवा प्रदान करने के प्रति उनका ह्यकोई बहाना नहींह्ल वाला दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। आसमान फाउंडेशन के बच्चों द्वारा आयोजित जागरूकता गतिविधियों ने भी निवासियों के बीच स्वच्छता के संदेश को और सुदृढ़ किया। 22वें दिन, सेक्टर-11 में हुए निरीक्षण का मुख्य फोकस साफ-सफाई, घर-घर कचरा संग्रहण, सड़कों की नालियों की सफाई, पार्कों के रखरखाव और अतिक्रमणों की समीक्षा पर रहा। आसमान फाउंडेशन के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से चलाए गए जागरूकता अभियान ने निवासियों को स्वच्छता, कचरे के पृथक्करण और ज़िम्मेदार नागरिक व्यवहार के प्रति प्रेरित किया। 23वें दिन, सेक्टर-20 में किए गए निरीक्षण में सड़क मरम्मत, सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव, पार्कों की स्थिति और अतिक्रमणों की समीक्षा की गई। इस अभियान में आरडब्ल्यूए जनप्रतिनिधियों और आई हेट पॉलीथिन के स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई, जो स्वच्छता के प्रयासों में समुदाय की बढ़ती भागीदारी और स्वामित्व की भावना को दशार्ता है। आसमान और मेशान फाउंडेशन के बच्चों द्वारा आयोजित जागरूकता गतिविधियों ने अभियान को और अधिक गति प्रदान की। आयुक्त श्री विनय कुमार ने कहा कि व्यवस्थित गहन सफाई और कचरे के ढेरों को हटाने के परिणामस्वरूप सेक्टर अब उस स्तर पर पहुँच रहे हैं, जहाँ नियमित झाडू और रखरखाव के माध्यम से स्वच्छता मानकों को बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे कचरा इधर-उधर न फैलाएँ, घर-घर कचरा संग्रहण करने वाली टीमों को ही कचरा सौंपें और सामुदायिक स्वच्छता प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लें। आयुक्त ने पुनः दोहराया कि एक स्वच्छ, हरित और सुव्यवस्थित पंचकूला के निर्माण में नागरिकों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बेनिफिट ऑफ डाउट अर्थात सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाएं: निरंकारी महिला समागम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मानव जीवन संबंधों, परिस्थितियों और भावनाओं का संगम है। हम प्रतिदिन अनेक लोगों से मिलते हैं और विभिन्न परिस्थितियों का सामना करते हैं। अक्सर किसी के व्यवहार को देखकर हम जल्दबाजी में यह निष्कर्ष निकाल लेते हैं कि सामने वाला गलत है या उसने जानबूझकर ऐसा किया है, जबकि वास्तविकता यह भी हो सकती है कि वह व्यक्ति किसी कठिन परिस्थिति, मजबूरी या व्यक्तिगत समस्या से गुजर रहा हो। यदि हम बेनिफिट ऑफ डाउट को अपनाते हुए दूसरों को समझने के लिए समय दें तो हम अपने मन में अनावश्यक नकारात्मकता भाव उत्पन्न होने से बच सकते हैं, ये उद्गार आज यहां सेक्टर 30 स्थित सन्त निरंकारी सत्संग भवन में आयोजित महिला समागम के दौरान स्थानीय प्रचारक डॉ. अमृतपाल कौर ने हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के प्रवचनों में बेनिफिट ऑफ डाउट पर की गई चर्चा का उल्लेख करते हुए डॉ0 कौर ने कहा कि यह दृष्टिकोण केवल सामाजिक जीवन ही नहीं, बल्कि पारिवारिक जीवन में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। घर-परिवार में छोटे-छोटे मतभेद अक्सर इसलिए बढ़ जाते हैं क्योंकि हम एक-दूसरे की बात को बिना समझे तुरंत प्रतिक्रिया दे देते हैं। यदि हम धैर्य रखते हुए यदि साकारात्मक भाव से सोचें तो कई विवाद स्वतः समाप्त हो सकते हैं। इससे रिश्तों में विश्वास, प्रेम और आपसी सम्मान बढ़ता है। उन्होंने आगे कहा कि यह सोच आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने के लिए भी जरूरी होती है, क्योंकि यह हमें अपने अहंकार और जल्दबाजी पर नियंत्रण रखना सिखाती है तथा हर स्थिति को समझदारी और करुणा से देखने की प्रेरणा देती है। यह दृष्टिकोण व्यक्ति को विनम्र बनाता है और दूसरों के प्रति सहानुभूति विकसित करता है। जब हम दूसरों को संदेह का लाभ देते हैं, तो वास्तव में हम अपने मन को शांति प्रदान करते हैं और जीवन को सरल बनाते हैं। यह तभी संभव है यदि समय के सतगुरु की शरण में जाकर ब्रहमज्ञान प्राप्त कर जीवन में अपनाते हैं।

इससे पूर्व यहां अनेक वक्ताओं ने सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज द्वारा दिए गए ब्रहमज्ञान से अपनी जीवन-यात्रा को सुखमयी बनाने के तरीके के बारे में अपने अपने भाव व्यक्त किए और सैक्टर 40 ऐरिया के मुखी श्री पवन कुमार जी ने डा0 अमृतपाल कौर जी और जोनल इन्चार्ज, संयोजक तथा यहां उपस्थित सारी साधसंगत का धन्यवाद व स्वागत किया।

ट्राइसिटी ओपन टेनिस टूनार्मेंट 2026 समापन की ओर, 355 खिलाड़ियों ने लिया भाग

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

खेल विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा आयोजित ट्राइसिटी ओपन टेनिस टूनार्मेंट 2026 अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। यह टूनार्मेंट सेक्टर-10 स्थित टेनिस स्टेडियम, चंडीगढ़ तथा लेक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, चंडीगढ़ में आयोजित किया जा रहा है।

इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट में ट्राइसिटी क्षेत्र से लगभग 355 खिलाड़ियों ने विभिन्न श्रेणियों में भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट कौशल, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। 12.04.2026 को खेले गए मैचों के परिणाम (लेक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, चंडीगढ़):

पुरुष 45+ युगल

1. गगनदीप वाशु / आशीष कपूर ने श्याम जगत / सुखबीर सिंह को (6-1, 6-3) से हराया - फाइनल
2. मोहन सिंह / गुरजयपाल सिंह ने राजेश धैया / सुखजीत सिंह को (6-4, 6-3) से हराया - तीसरा स्थान

पुरुष 35+ युगल

1. साहिल मित्तल / प्रदीप कुमार ने प्रसंग रहेजा / राजीव गोयल को (6-4, 6-2) से हराया - फाइनल

पुरुष 55+ युगल

1. महिंदर सिंह / विनीत पेशवारिया ने संजीव शर्मा / बलजीत सिंह को (6-3, 6-2) से हराया - फाइनल
2. पवन कपूर / नरेंद्र ने एस.एन. वशिष्ठ / शशिकांत को (6-4, 6-4) से हराया - प्लेसमेंट मैच

टूनार्मेंट अब अपने समापन के करीब है, जिसमें अधिकांश श्रेणियों के फाइनल मुकाबले संपन्न हो चुके हैं। इस आयोजन ने क्षेत्र के खिलाड़ियों की उत्कृष्ट प्रतिभा और उत्साहपूर्ण भागीदारी को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है।

माय भारत बजट क्वेस्ट 2026: चंडीगढ़ में युवा नेतृत्व और नारी शक्ति का प्रभावी प्रदर्शन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

देशव्यापी पहल माय भारत बजट क्वेस्ट 2026 के अंतर्गत, पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश से आए 768 युवा प्रतिभागियों का एक ऊजार्वान समागम ढंल्लु वल्ल५ी१२-३८ (न्यू कन्वेंशन सेंटर), साउथ कैंपस, सेक्टर 25 में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के पहले दिन उत्साहपूर्ण सहभागिता और विचारोत्तेजक गतिविधियों का आयोजन हुआ, जिसमें ऑल वूमेन यूथ पार्लियामेंट प्रमुख आकर्षण रहा। नेतृत्व और लोकतांत्रिक मूल्यों के सशक्त प्रदर्शन में युवा बालिकाओं ने माननीय अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्रियों और संसद सदस्यों की भूमिकाएं निभाईं। इस सत्र में गहन विचार-विमर्श हुआ, जिसका समापन ठ१ रँ३ श्ल्ललँल्ल ऑल्लिटे पर एक प्रस्ताव पारित करने के साथ हुआ, जो शासन में महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण के महत्व को दशार्ता है।

कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण संडे ऑन साइकिल्स पहल रही, जिसे साइक्लिंग विद स्टेट यूथ लीडर्स थीम के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस गतिविधि ने फिटनेस, पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति ढ१ङ्का. फील्ल४ ꣿ उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने ट ईँ१३ और ट्रल्ल२३१८ ङ्का ङ्क४ईँ आ्१२ ल्लि रस्त्रङ्क१३२ के प्रयासों की सराहना की, जो युवाओं को नेतृत्व, नीति निर्माण में भागीदारी और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान के लिए प्रेरित करते हैं।

यह कार्यक्रम भारत सरकार की युवा सशक्तिकरण और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है, जिसे माय भारत बजट क्वेस्ट 2026 जैसे नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से साकार किया जा रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

भले ही हम अपने घरों को पाँच सितारा होटल जैसी सुविधाओं से सुसज्जित करें, लेकिन घर का वातावरण मंदिर जैसा होना चाहिए : मुनि श्री प्रतीक सागर जी महाराज

चंडीगढ़। अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति, चण्डीगढ़ के तत्वावधान में आज श्री णमोकार महामंत्र पाठ का भव्य आयोजन परम पूज्य गणाचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य, क्रांतिवीर मुनि श्री प्रतीक सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं ने सहपरिवार उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम का सौजन्य दिनेश जैन एवं स्वाति जैन की ओर से किया गया। अपने ओजस्वी प्रवचन में मुनि श्री प्रतीक सागर जी महाराज ने कहा कि आज के आधुनिक युग में भले ही हम अपने घरों को पाँच सितारा होटल जैसी सुविधाओं से सुसज्जित करें, लेकिन घर का वातावरण मंदिर जैसा होना चाहिए, जहाँ परिवार एक साथ बैठकर भजन और भोजन कर सके। उन्होंने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी में भी प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन कम से कम 10 मिनट निकाल सकता है, 5 मिनट सोने से पहले और 5 मिनट उठते ही, जिसमें पूरा परिवार एक साथ णमोकार मंत्र का जाप करे। इससे मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा एवं पारिवारिक एकता का विकास होता है। इस अवसर पर समाज रत्न नवरत्न जैन ने जानकारी दी कि 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर विशाल इक्षु रस भंडारा का आयोजन इस वर्ष 14 स्थानों पर किया जा रहा है, जिसमें मुख्य आयोजन श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सेक्टर 27 में होगा। समिति के वरिष्ठ मार्गदर्शक राजेंद्र प्रसाद (डीएमसी) ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से आग्रह किया कि वे इस पुण्य अवसर पर बढ़-चढ़कर सहभागिता करें और पूरे हृदय से इस सेवा कार्य का हिस्सा बनें। अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र जैन अमरावती ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आध्यात्मिक एवं सेवा कार्यों में सहभागिता हेतु आमंत्रित किया।

राजनीति का मुख्य ध्येय भी अंततः जनसेवा ही होना चाहिए: आध्यात्मिक गुरु साध्वी चित्रलेखा

पंचकूला। प्रसिद्ध आध्यात्मिक प्रचारक और श्रीमद्भागवत कथा व्यास साध्वी चित्रलेखा जी आज मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी के निवास स्थान पर पधारीं। इस अवसर पर भंडारी परिवार द्वारा उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। साध्वी चित्रलेखा जी ने निवास पर आयोजित सूक्ष्म सत्संग और चर्चा के दौरान उपस्थित परिजनों एवं गणमान्य व्यक्तियों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने धर्म, सेवा और समाज कल्याण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजनीति का मुख्य ध्येय भी अंततः जनसेवा ही होना चाहिए। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान तरुण भंडारी ने साध्वी जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साध्वी जी का सानिध्य और आशीर्वाद मिलना उनके परिवार के लिए परम सौभाग्य की बात है। उनके विचार और आध्यात्मिक ऊर्जा हमें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक निष्ठा से निभाने की प्रेरणा देते हैं।इस मौके पर समाजसेवी प्रदीप गोयल, नरेश गोयल,मोहित वेसासी, भाजपा नेता, जिला उपाध्यक्ष तेजिंदर टोनी, वैद संदीप याधव, मुकेश सिंगला एवं महावीर बंसल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका हार्दिक स्वागत किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। भेंट के दौरान स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और श्रद्धालु भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में साध्वी जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कुलभूषण गोयल ने मां मनसा देवी मंदिर में टेका माथा

पंचकूला। पंचकूला के पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल ने रविवार को माता मनसा देवी मंदिर में श्रद्धा पूर्वक माथा टेककर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने पंचकूला शहर एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में पहुंचकर उन्होंने विधिवत रूप से मां के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। कुलभूषण गोयल ने कहा कि माता मनसा देवी के दरबार में जो भी सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि यह पवित्र धाम श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां हर दिन बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस अवसर पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी अंजू गोयल भी मौजूद रहीं। दोनों ने मिलकर परिवार एवं समाज की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। मंदिर में दर्शन के दौरान उन्होंने अन्य श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की और सभी के सुखमय जीवन की कामना की। कुलभूषण गोयल ने कहा कि समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सद्भावना बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी एक सशक्त और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है।

संविधान लीडरशिप प्रोग्राम के तहत सोशल मीडिया एक्टिविस्ट्स और युवाओं को एक मंच देगी युवा कांग्रेस

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने देशभर में लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक जागरूकता को मजबूत करने के उद्देश्य से ह्यसंविधान लीडरशिप प्रोग्रामह्ल की शुरूआत की है। इस राष्ट्रीय अभियान के आगाज की जानकारी चण्डीगढ़ युवा कांग्रेस ने प्रेस वार्ता करके दी। कार्यक्रम में चण्डीगढ़ युवा कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक लुबाना की अगुवाई में राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश प्रभारी सत्यवान गहलोत, राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. चंदन राणा सहित प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी मौजूद रहे। नेताओं ने अभियान का पोस्टर जारी कर इसकी औपचारिक शुरूआत की।

युवा कांग्रेस नेताओं ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य एक मजबूत वैकल्पिक मीडिया पाइपलाइन तैयार करना है। इसके तहत सोशल मीडिया एक्टिविस्ट्स, स्थानीय जागरूक मीडिया, कंटेंट क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स को एक साझा मंच पर लाया जाएगा, ताकि जनहित के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाया जा सके और मजबूत वैचारिक संवाद स्थापित हो सके। राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. चंदन राणा ने कहा कि समाचार और सूचना के प्रवाह में पारदर्शिता लाने के लिए युवा कांग्रेस जमीनी स्तर पर काम करने वाले सामाजिक इन्फ्लुएंसर्स से जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि संवैधानिक मूल्यों पर आधारित इस कार्यक्रम के जरिए युवाओं को सही सूचना फैलाने, फेक न्यूज का मुकाबला करने और जनहित के मुद्दों को साहसपूर्वक उठाने के लिए तैयार किया जाएगा।

डॉ. राणा ने कहा कि मौजूदा समय में सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति को लेकर कई बार केंद्र सरकार और एजेंसियों द्वारा अनुचित कानूनी कार्रवाई की जाती है। ऐसे मामलों में युवा कांग्रेस अपने विधि प्रकोष्ठ के माध्यम से प्रभावित लोगों को कानूनी सलाह और सहायता भी उपलब्ध कराएगी।

कांग्रेस पार्षद सचिन गालव ने कहा कि यह कार्यक्रम देशभर के युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय लोगों को एकजुट कर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह अभियान युवाओं के लिए नेतृत्व निर्माण, सामाजिक जागरूकता और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का बड़ा मंच बनेगा।

जिला की मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है गेंहू की खरीद और उठान का कार्य

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- अब तक 10,164 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद तथा 859 मीट्रिक टन गेंहू का हुआ उठान

जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की आवक शुरू होने के साथ खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 10,164 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई और 859 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा रायपुररानी, बरवाला और पंचकूला स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 739 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 2400 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1637 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 5018 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसके अलावा पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 370 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई।

उन्होने बताया कि मंडियों में खरीद के साथ साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से चल रहा है। रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 242 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 117 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 125 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 350 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 25 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

सुविधा — व्यापारियों के लिए बी2बी ऑनलाइन बिक्री एवं खरीद हेतु डिजीदुकान लॉन्च

सीबीएम चेयरमैन ने 9वीं नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड बैठक में एमएसएमई और किराए पर जीएसटी के मुद्दे उठाए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड (एनटीडब्ल्यूबी) की 9वीं बैठक नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में एनटीडब्ल्यूबी के चेयरमैन सुनील जे. सिंघी की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें चण्डीगढ़ व्यापार मंडल (सीबीएम) के चेयरमैन चरंजीव सिंह ने चण्डीगढ़ के व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करते हुए बैठक में भाग लिया। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 27 सदस्य उपस्थित रहे और व्यापारियों के कल्याण से जुड़े मुद्दे उठाए। व्यापार से संबंधित भारत सरकार के 9 मंत्रालयों के अधिकारी भी इसमें शामिल हुए। इस दौरान उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की सहायक संस्था ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) द्वारा देशभर में व्यापारियों के लिए बी2बी ऑनलाइन बिक्री एवं खरीद के लिए डिजीदुकान नामक एक डिजीटल पहल प्रस्तुत कर लॉन्च की गई। अपने स्वागत भाषण में सुनील जे. सिंघी ने व्यापार कल्याण से जुड़े प्रमुख उपायों जैसे वन-टाइम एफएसएसएआई लाइसेंस, डिजीदुकान लॉन्च, जन विश्वास संशोधन विधेयक 2026, बैंकों से 20 लाख रुपये तक बिना गारंटी ऋण की सुविधा और जीएसटी सुधारों का उल्लेख किया। बैठक में चरंजीव सिंह ने एक ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए मांग की कि कंपोजिट डीलरों द्वारा व्यावसायिक भवन मालिकों को दिए जाने वाले किराए पर जीएसटी 18% से घटाकर 5% किया जाए, क्योंकि ऐसे व्यापारी इनपुट टैक्स क्रेडिट के पात्र नहीं होते, जिससे उनकी संचालन लागत बढ़ती है। उन्होंने यह भी मांग की कि एमएसएमई अधिनियम के सभी लाभ व्यापारियों को भी दिए जाएं, जिनमें आसान बैंक ऋण, ब्याज दर में सब्सिडी और बकाया राशि की वसूली के लिए समाधान एमएसएमई पोर्टल के माध्यम से सुविधा शामिल हो।

डिजीदुकान को ओएनडीसी डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लॉन्च किया गया है, जो वितरकों और थोक विक्रेताओं को बी2बी ऑनलाइन बिक्री करने और खुदरा विक्रेताओं को आसानी से सामान प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। यह डीपीआईआईटी की पहल है, जो देशभर के छोटे व्यापारियों के लिए डिजिटल रूप से अपनी जरूरतों की पूर्ति हेतु खुला रहेगा। सीबीएम के अध्यक्ष संजीव चड्ढा ने डीपीआईआईटी की डिजीदुकान पहल का स्वागत किया और व्यापारियों से अपील की कि वे इस सुविधा का लाभ उठाकर अपने व्यापार को बढ़ाएं। ये जानकारी सीबीएम के उपाध्यक्ष एवं आधिकारिक प्रवक्ता दिवाकर सहूंजा ने दी।